रांची, सोमवार, 13 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख कृष्ण 11 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 208, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▸▸ वैश्विक संकटों के बीच विश्व बैंक अकेला नहीं जो भारत की गाथा कह रहा

अक्षरा ने सुनाया भोजपुरी रैप 6

पेड़ से लटकता मिला जीजा-साली का शव
हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

रविवार को हुई थी साली की सगाई, ऑनर किलिंग की भी चर्चा

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची से सटे बुंडू थाना क्षेत्र में मांझीटोली स्थित पगला बाबा परिसर में एक पेड़ से युवक-युवती का शव लटकता मिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों आपस में रिश्ते में जीजा-साली हैं।

सूचना मिलते ही बुंडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेरते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रांची के रिम्स भेज दिया है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

एक दिन पहले हुई थी युवती की सगाई: जानकारी के अनुसार, मृत युवती की रविवार को ही सगाई हुई थी। सगाई के बाद वह अपने जीजा के साथ घर से निकली थी, लेकिन अगले ही दिन दोनों का शव बरामद हुआ। युवक की पहचान खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र के बारिगाड़ा टोला राउता निवासी अर्जुन पाहान व युवती आरती कुमारी की पहचान बुंडू थाना क्षेत्र के नीउरी गांव की रहने वाली के रूप में की गई है। सगाई के तुरंत बाद इस तरह की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं।

हत्या या आत्महत्या, ऑनर किलिंग की भी चर्चा: घटना के पीछे की असली वजह क्या है, इसे लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। वहीं, स्थानीय स्तर पर प्रेम प्रसंग और ऑनर किलिंग की आशंका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। बुंडू थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा के अनुसार घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। परिजनों से भी जानकारी ली जा रही है।

ममेरे भाई ने बहन को टांगी से काटा, फिर कर ली आत्महत्या

पलामू: जिले में एक हैरान करने देने वाला मामला सामने आया है। आपसी प्रेम संबंध में ममेरे भाई ने अपनी बहन की टांगी से काटकर हत्या कर दी। फिर बाद में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल टांगी को भी बरामद कर लिया है और पूरे मामले में आगे की छानबीन कर रही है। यह घटना पलामू सदर थाना क्षेत्र के सुआ कौड़ियां के इलाके की है।

दरअसल, ममेरे भाई बिट्ठू कुमार सिंह का रविवार रात अपनी बहन खुशबू कुमारी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में बिट्ठू कुमार सिंह ने घर में रखे टांगी से खुशबू को काट डाला। घटना के बाद वह घर से फरार हो गया। इस बीच सोमवार सुबह बिट्ठू कुमार सिंह का रेलवे ट्रैक से शव बरामद हुआ है। खुशबू अपने मामा के घर में रहकर पढ़ाई करती थी और रविवार को दोनों एक ही कमरे में सोए हुए थे।

सदर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि आपसी प्रेम संबंध में हुए विवाद में यह घटना हुई है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल टांगी को बरामद किया है। पूरे मामले में आगे की छानबीन की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों का कहना है कि घटना के बाद बिट्ठू कुमार ने कहा था कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन एवं सूचना मौके पर पहुंच गए है। मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

इस्लामाबाद में सहमति के बेहद करीब थे, पर ईरान पर थोपी गई नई शर्तें और प्रतिबंधः अराघची

नई दिल्ली: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद वार्ता की विफलता के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि बदलती शर्तों और प्रतिबंधों को हमारे सामने रखा गया। श्री अराघची ने सोमवार को एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि वार्ता के दौरान सहमति के बहुत करीब होने के बावजूद बदलती शर्तों और प्रतिबंधों को हमारे समक्ष लाया गया।

श्री अराघची ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि कोई सबक नहीं सीखा गया। सद्भावना से सद्भावना पैदा होती है और शत्रुता से शत्रुता। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि 47 वर्षों में उच्चतम स्तर की गंभीर वार्ता में, ईरान ने युद्ध को समाप्त करने के लिए नेक नीयत के साथ अमेरिका के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि लेकिन जब हम इस्लामाबाद सहमति पत्र से केवल कुछ ही दूर थे, तो हमें बदलती शर्तों और प्रतिबंधों सामना करना पड़ा।

डोनाल्ड ट्रंप ने खुद को दिखाया ईसा मसीह, पोप लियो को बताया क्राइम पर सुस्त और फ्लॉप

वाशिंगटनः ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो 4 ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की।

ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं। इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने खुद को ईसा मसीह के अवतार जैसी एआई फोटो में दिखाकर नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने वेटिकन की नीतियों को अमेरिका विरोधी बताते हुए साफ किया कि धर्मगुरु को राजनीति के बजाय शांति पर ध्यान देना चाहिए।

ट्रंप ने हाल ही में ट्रुथ सोशल पर खुद की एक एआई फोटो शेयर की है, जिसमें वे ईसा मसीह की तरह चमत्कार करते दिख रहे हैं। इस तस्वीर में ट्रंप ने लंबे चोगे पहने हैं और वे एक बीमार व्यक्ति पर हाथ रखकर उसे ठीक कर रहे हैं। फोटो के बैकग्राउंड में अमेरिकी झंडा, मिलिट्री प्लेन्स और फरिश्ते नजर आ रहे हैं, जो सीधे तौर पर बाइबिल के उस किस्से की याद दिलाते हैं जहां जीसस ने लाजर को दोबारा जीवित किया था।

ट्रंप ने लिखा, पोप मेरी सरकार के डर की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में पीएम मोदी ने की महिलाओं की सराहना, बोले-

इन्होंने देश के गौरव और गरिमा को बढ़ाया है

नई दिल्ली: दिल्ली के विज्ञान भवन में आज पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्तर के 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नारी शक्ति का योगदान अपार है। महिलाओं ने देश के गौरव और गरिमा को बढ़ाया है।

नोयडा में कर्मचारियों का हिंसक प्रदर्शन

पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी, सड़कों पर पथराव से मचा हड़कंप

श्रमिकों को उनका अधिकार मिलना चाहिए मगर अराजकता बर्दाश्त नहीं होगी : योगी

नोयडा : वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से चल रहा निजी कंपनियों के कर्मचारियों का आंदोलन सोमवार को हिंसक हो गया। नोएडा के फेज-2 इलाके में सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारी सड़कों पर उतर आए जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई।

प्रदर्शन ने क्यों लिया उग्र रूप? : प्रदर्शनकारी कर्मचारी लंबे समय से वेतन बढ़ाने और कामकाजी परिस्थितियों में सुधार की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि बढ़ती महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन में गुजारा करना नामुमकिन हो गया है। सोमवार सुबह जब भीड़ अनियंत्रित होने लगी तो पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए 'हल्का बल प्रयोग' किया जिससे प्रदर्शनकारी भड़क गए।

आगजनी और तोड़फोड़ से दहशतः गुस्साई भीड़ ने सेक्टर-84 और फेज-2 के विभिन्न इलाकों में जमकर उत्पात मचाया। प्रदर्शनकारियों ने कम से कम दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस के वाहनों में तोड़फोड़ की गई और कई जगहों पर सड़क जाम कर दिया गया। देखते ही देखते पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और दुकानदारों ने डर के मारे शटर गिरा दिए।

प्रशासन की कोशिशें रहीं नाकाम : दिलचस्प बात यह है कि हिंसा भड़कने से एक दिन पहले जिला प्रशासन, पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों ने कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। अधिकारियों ने मांगों पर विचार करने का भरोसा भी दिया था लेकिन सोमवार सुबह कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे गया।

वर्तमान स्थिति और कार्रवाई : फिलहाल पूरे इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया है। एडिशनल डीसीपी और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। पुलिस का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है लेकिन तनाव बरकरार है। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर उन लोगों की पहचान कर रही है जिन्होंने आगजनी और तोड़फोड़ की है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने कुचला, 7 की मौत

गांधीनगर : गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे चल रहे कुछ लोगों को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए।

लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि यह घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई, जब तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप राजकोट के एक मंदिर से पूजा-अर्चना करने के लिए एक जुलूस के रूप में पैदल जा रहा था।

जिले के लखतर तालुका में भास्करपारा गांव के बाहरी इलाके में, लापरवाही से चलाए जा रहे एक ट्रक ने इन श्रद्धालुओं को कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 4 महिलाएं भी शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि घायलों की संख्या अभी साफ नहीं है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्री पैदल चल रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। वे बहुचराजी स्थित एक मंदिर में पूजा करने के लिए पैदल निकले थे, तभी पीछे से पूरी रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया और उसे पकड़ने की कोशिश जारी हैं।

ठाणे में पुल पर सीमेंट मिक्सर से वाहन की टक्कर

नौ की मौत, तीन घायल, रेस्क्यू जारी

ठाणे: महाराष्ट्र में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि राज्य के ठाणे जिले में एक पुल पर सीमेंट मिक्सर से एक वाहन टकराने से नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस ने तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस की ओर से दुर्घटनास्थल पर बचाव एवं राहत कार्य जारी है। हादसे के बाद पुल पर ट्रैफिक जाम हो गया था। पुलिस उसे भी खुलवाने की कोशिश में जुटी है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, बचाव दल और चिकित्सा टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायलों को अस्पताल ले जाने और शवों को निकालने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को एक भयावह सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक वैन और सीमेंट मिक्सर की टक्कर हो गई। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे मुरबाड के गोविली गांव में रैता पुल पर हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे एक सीमेंट मिक्सर से वैन की सीधी टक्कर हो गई। इस टक्कर की भयावहता इतनी अधिक थी कि वैन में सवार कम से कम नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार को दुर्घटना का एक संभावित कारण माना जा रहा है।

अरुणाचल को लेकर भारत की चीन को दो टूक, झूठे दावे सच्चाई को नहीं बदल सकते

नई दिल्ली : भारतीय स्थानों को मनगढ़ंत नाम दिए जाने पर विदेश मंत्रालय ने चीन की आलोचना की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत, चीन द्वारा भारत की भूमि का हिस्सा बनने वाले स्थानों को मनगढ़ंत नाम देने के किसी भी शरारती प्रयास को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।

उन्होंने कहा कि चीन द्वारा झूठे दावे करने और निराधार कथाएं गढ़ने के ऐसे प्रयास इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकते कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये स्थान और क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के चल रहे प्रयासों को बाधित करती हैं। चीन को ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता पैदा करते हैं और बेहतर समझ बनाने के प्रयासों को कमजोर करते हैं। आपको बता दें कि 2017 के बाद चीन ने दिसंबर 2021 में 21 स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया। चीन ने अरुणाचल के 11 जिलों जिसमें तवांग से लेकर अंजॉ के स्टैंडर्ड नाम चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किए। हालांकि भारत ने तब चीन के इस कदम को अस्वीकार्य बताया और नए नाम रख देने से जमीनी सच्चाई नहीं बदल जाती। भारत ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अंग है और हमेशा रहेगा। इससे पहले 9 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनाइक (सेवानिवृत्त) ने गुरुवार को तवांग जिले में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित दूरदराज की सीमा चौकी खेन्जेमाने का दौरा किया। वहां उन्होंने सैनिकों का मनोबल ऊंचा बनाए रखने, शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने और हर समय मानसिक रूप से सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित किया; विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए। लोक भवन के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्गम इलाकों और कठोर मौसम के बीच स्थित यह सीमा चौकी भारत की सतर्कता और जुझारूपन का प्रतीक है। राज्यपाल की इस यात्रा को देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बलों के प्रति एकजुटता के एक सशक्त संकेत के रूप में देखा गया।

भिखारी के वेश में आयी महिला ने महिला ने घर से चुराये 15 लाख के जेवर व नगद

रांची: जगन्नाथपुर थानांतर्गत जैतगढ़ की घासू कॉलोनी में शुक्रवार को दिनदहाड़े भिखारी के वेश में एक महिला ने घर में घुसकर करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और 15 हजार रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजकर 30 मिनट की है। घर के सदस्य अंदर ही मौजूद थे। सूचना मिलने के बाद जगन्नाथपुर पुलिस पहुंची। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कॉलोनी निवासी मनोज राय के घर का मुख्य दरवाजा खुला रह गया था। पत्नी कमरे में पलंग पर सो रही थीं। इस बीच महिला घर के अंदर दाखिल हुई। अलमारी खोलकर कीमती जेवरात ले लेकर चंपत हो गयी। पीड़ित परिवार का संदेह है कि चोरनी ने गृहस्वामी की पत्नी को कोई नशीली चीज सूंघा दी थी, जिसके कारण गहरी नींद आने की वजह से उन्हें भनक तक नहीं लगी। लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। फुटेज में देखा गया कि चोरी से पहले करीब 7 वर्ष का एक लड़का हाथ में थैला लेकर पहुंचा और घर के बाहर चबूतरे पर बैठ गया। इसके तुरंत बाद एक महिला, जिसकी गोद में छोटा बच्चा था, घर के अंदर घुसी। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद महिला गली के रास्ते बाहर निकली और बाहर बैठे लड़के के झोले में सारा सामान भरकर तीनों तेजी से फरार हो गये।

एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल चरका का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, सोनू कुमार बने स्कूल टॉपर

चतरा: शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत चरका स्थित एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल' में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में न केवल बच्चों की शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाया गया, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। स्कूल टॉपर सोनू कुमार की उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन ने एक बड़ी घोषणा कर सबका दिल जीत लिया। रहरिया के एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित इस समारोह में छात्र-छात्राओं और अभिभावकों का उत्साह चरम पर था। मुख्य अतिथि के रूप में बरूरा पंचायत समिति सदस्य मुस्तफा खान उपस्थित रहे। परीक्षा परिणामों की घोषणा होते ही स्कूल परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस वर्ष की वार्षिक परीक्षा में सोनू कुमार बने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर 'स्कूल टॉपर' का खिताब अपने नाम किया। वहीं मारूफा नाज द्वितीय और पीयूष कुमार तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल के निर्देशक मुजम्मिल हुसैन ने टॉपर सोनू कुमार की प्रतिभा का सम्मान करते हुए उनकी 6 महीने की ट्यूशन फीस माफ करने की घोषणा की। समारोह के दौरान टॉप-10 में जगह बनाने वाले सभी मेधावी छात्रों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापक कुदरत अली और स्कूल के सभी शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय निर्देशक ने कहा कि इस तरह के सम्मान से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिस्पर्धा और बेहतर करने का जज्बा पैदा होता है। समारोह के अंत में अभिभावकों ने स्कूल की इस पहल की सराहना की। छोटे बच्चों की इस सफलता ने साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण प्रतिभाएं भी किसी से कम नहीं हैं।

महात्मा ज्योतिराव फुले जयंती पर सम्मेलन माली समाज के विकास को लेकर घोषणाएं

रांची: रांची जिला माली मालाकार कल्याण समिति द्वारा पाही बैंक्वेट हॉल, मोरहाबादी में महात्मा ज्योतिराव फुले की 199वीं जयंती सह वार्षिक सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची सांसद संजय सेठ और रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महापौर ने माली समाज के लिए फूल मंडी की व्यवस्था कराने की घोषणा की, वहीं संजय सेठ ने महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले के नाम से भवन निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया। समिति के अध्यक्ष सुरेश मालाकार ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए समाज के विकास की रूपरेखा रखी, जबकि सचिव सुजीत कुमार ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। कार्यक्रम में ड्रॉइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। सम्मेलन में रांची सहित जमशेदपुर, बोकारो, रामगढ़ व अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही, और अंत में समाज की एकता व विकास के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अवैध बालू खनन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर ज्ञापन

मुरी:बड़े पैमाने पर बालु के अबैध खनन को लेकर ग्रामीण प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सोनाहातु सीओ को ज्ञापन दिया है । जिसकी प्रतिलिपि सोनाहातु थाना, उपायुक्त और जिला खनन पदाधिकारी को अग्रसित किया गया है। ज्ञापन देने वालो में जेएलकेम सोनाहातु प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर कोईरी , सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष हरेकृष्ण महतो, अनुचित मोर्चा के गुहीराम स्वांसी, सियाराम महतो, खगेन्द्र महतो, परमेशवर महतो, अजीत महतो, जन्मजय महतो, राजु महतो है। जिसमें बताया गया कि कांची और राढु नदी धाट से सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक हाईवा, डम्फर और टैरकटर के माध्यम से जेसीबी मशीन से खनन कर अबैध बालु की खुलेआम चोरी की जा रही है इससे पार्रयावरण और नदी बालु धाट का नुकसान हो रहा है साथ ही राजस्व की क्षति हो रही है। खनन विकास और विनिमय अधिनियम 1957 एम एम डी आर एक्ट और बीएन एस 2023 की धारा में बालु खनन अबैध है और दण्डनीय अपराध है। जांच में अबैध बालु खनन और परिवहन में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानुनी कारवाई की जाए।

बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी को मिला बड़ा सपोर्ट

मुख्यमंत्री हेमंत- कल्पना सोरेन संग टीएमसी के लिए मांगेगे वोट

भाजपा के खिलाफ करेंगे चुनाव प्रचार, ममता के बुलावे पर आदिवासी क्षेत्रों पर फोकस

संवाददाता

रांची: असम चुनाव के बाद अब पश्चिम बंगाल की सियासत गर्म होती नजर आ रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो विधायक कल्पना सोरेन जल्द ही पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में उतरने वाले हैं। दोनों नेता वहां तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं संबोधित करेंगे।

चुनावी रणनीति के तहत तय हुआ दौराः यह दौरा पूरी तरह से चुनावी रणनीति के तहत तय किया गया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होना है, जिसके तहत 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच हेमंत सोरेन का बंगाल दौरा राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि वे कई इलाकों में रोड शो और जनसभाओं के जरिए ममता बनर्जी के समर्थन में माहौल बनाने की कोशिश करेंगे।

इस पूरे घटनाक्रम की सबसे दिलचस्प बात यह है कि झारखंड में एक साथ सरकार चला रहे दल कांग्रेस और झामुमो पश्चिम बंगाल में एक-दूसरे के आमने-सामने नजर आएंगे। जहां एक ओर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के साथ मैदान में है, वहीं कांग्रेस भी अलग से चुनाव लड़ रही है। ऐसे में झारखंड में सहयोगी रहे दलों का बंगाल में अलग-अलग राजनीतिक रास्ता अपनाना चुनाव को और रोचक बना रहा है।

टीएमसी को लेकर झामुमो का भरोसा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि दौरे की पूरी रूपरेखा लगभग तैयार है और जल्द ही हेमंत सोरेन बंगाल के लिए रवाना होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में फिर से सरकार बनेगी और जनता का समर्थन उन्हें लगातार मिल रहा है। उनके अनुसार, भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

'नहीं पड़ेगा चुनावी नतीजों पर कोई असर': वहीं दूसरी ओर भाजपा ने इस दौरे को ज्यादा प्रभावी मानने से इनकार किया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र प्रसाद का कहना है कि हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के प्रचार से पश्चिम बंगाल में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता इस बार बदलाव के मूड में है और भाजपा के पक्ष में मतदान करने का मन बना चुकी है।

बंगाल चुनाव पर राष्ट्रीय राजनीति की नजर : राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह चुनाव न केवल पश्चिम बंगाल के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके दूरगामी असर देखने को मिल सकते हैं। झारखंड के नेताओं की सक्रिय भागीदारी इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय दल अब अपने प्रभाव को दूसरे राज्यों तक विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं।

और दिलचस्प मुकाबला हुआः कुल मिलाकर, असम के बाद अब पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और हेमंत सोरेन व कल्पना सोरेन का प्रस्तावित दौरा इस राजनीतिक मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है।

ताइक्वांडो प्रशिक्षक रितेश कुमार की मेरठ में हुई असामयिक मौत

ताइक्वांडो प्रशिक्षक रितेश कुमार की मेरठ में हुई असामयिक मौत

चतराः जिला मुख्यालय स्थित कुम्हार टोली मोहल्ला (बाजार टांड़) के निवासी ताइक्वांडो प्रशिक्षक रितेश कुमार (31 वर्ष) का शव आज सुबह 9 बजे मेरठ से चतरा पहुंचा। शव के चतरा पहुंचते ही परिजनो के क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। आज तड़के चतरा के हेरू नदी घाट पर दिवंगत ताइक्वांडो प्रशिक्षक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खिलाड़ी और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान रविवार को झारखंड ओलम्पिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष शेखर बोस चतरा पहुंचे । उन्होंने जिला ओलम्पिक संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात कर दिवंगत प्रशिक्षक रितेश कुमार के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रितेश कुमार प्रतिभावान ताइक्वांडो खिलाड़ी रहे हैं। प्रशिक्षक के तौर पर उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। जिला ओलम्पिक एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा,सचिव राकेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी,जिला ताइक्वांडो एसोशिएशन के सचिव उमेश प्रजापति,संयुक्त सचिव रामप्रकाश प्रजापति, कोषाध्यक्ष शंभू कुमार, उपाध्यक्ष प्रकाश कुमार, झामुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष तथा ताइक्वांडो संघ के संरक्षक पंकज प्रजापति,अभाविप के शुभम कुमार और विशाल प्रजापति समेत अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त की है। आपको बताते चलें कि रितेश कुछ अन्य सहपाठियों के साथ बीपीएड की परीक्षा देने उत्तरप्रदेश राज्य के मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी गए हुए थे।दो दिन पूर्व पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद उनके मित्रों ने उन्हें गंभीर अवस्था में शुभार्थी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। इस बीच उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर दिया गया। रविवार की तड़के 7:30 बजे हॉस्पिटल प्रबंधन से सूचना मिली कि उनकी मौत हो गई है। विदित हो कि रितेश शहर के मारवाड़ी मोहल्ला स्थित रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में बतौर प्रशिक्षक नियुक्त थे।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, मातृ स्वास्थ्य पर दिया गया विशेष जोर

खूंटी/सेनेगुटू/सारीदकेलः राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष जांच शिविर एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में एएनएम निशी रानी, मोबिलाइजर अमर नाथ, सहिया नूतन नागी सोय, सेविका सुषमा सहित कई स्वास्थ्यकर्मी, गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, संतुलित पोषण, स्वच्छता और सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। यह कार्यक्रम एक्सिस बैंक फॉउंडेशन और सीआईएनआई संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना तथा हर महिला तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना रहा। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और साक्ष्य-आधारित देखभाल से मातृ मृत्यु दर में काफी कमी लाई जा सकती है। गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां लेने तथा संस्थागत प्रसव को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा, महिलाओं को प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल, पोषण और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

बोकारो पुलिस का बड़ा एक्शन, 28 पुलिसकर्मियों को एक साथ किया निलंबित

संवाददाता

बोकारोः जिले से आठ महीने पहले लापता हुई 18 वर्षीय युवती के अवशेष मिलने के बाद मामले में कथित तौर पर लापरवाही करने वाले 28 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि महिला की हड्डियां और बाल जैसे अवशेष शनिवार को पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र में स्थित चास कॉलेज के पास एक सुनसान इलाके से बरामद किए गए। उन्होंने कहा, "युवती के अपहरण और हत्या की जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में पिण्ड्राजोरा के प्रभारी अधिकारी सहित कुल 28 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।" पुलिस अधीक्षक ने कहा, "निलंबित पुलिसकर्मियों की आरोपी के साथ मिलीभगत थी और वे उसके साथ पार्टी करते हुए भी देखे गए तथा आरोपी के साथ पैसों का लेन-देन भी किया। इस वजह से आम लोगों के बीच पुलिस की छवि धूमिल हुई है।"

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि युवती के मोबाइल फोन की 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड' और अन्य तकनीकी जानकारियों के विश्लेषण करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने दावा किया, "तकनीकी, पारिस्थितिजन्य और मानवीय साक्ष्यों पर आधारित निरंतर पूछताछ के दौरान, आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया।" सिंह ने कहा, "पीड़िता और आरोपी लगभग तीन साल से संपर्क में थे। आरोप है कि युवती उस पर शादी करने का दबाव डाल रही थी, जिसके कारण उसने हत्या की साजिश रची।" अधिकारी ने बताया कि पिछले साल 21 जुलाई को जब युवती स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चास कॉलेज गई थी, तब आरोपी उससे मिला और उसे लगभग 1.5 किलोमीटर दूर एक सुनसान जगह पर ले गया।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि आरोपी ने वहीं पर युवती की चाकू मारकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में छिपा दिया तथा लौटते समय खून से सना चाकू ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने बताया कि अपराधी ने अरोप स्वीकार कर लिया है और उसकी निशानदेही के आधार पर मौके पर गई पुलिस ने हड्डियों के 19 टुकड़े, बालों के गुच्छे, मृतका के कपड़े और हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया। अधिकारियों ने कहा कि युवती की मां ने 24 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि उनकी बेटी का अपहरण कर लिया गया है। इसने बताया कि तहरीर के आधार पर चार अगस्त 2025 को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। मृतका की मां ने कथित तौर पर पुलिस द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने पर झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया।

बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जयंती पर विशेष

आज भी प्रासंगिक है बाबा साहब का नारा शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो

विजय शंकर नायक

हम हर साल हम बाबा साहब की जयंती मनाते हैं। मंच सजते हैं, भाषण होते हैं, मालाएं चढ़ती हैं और सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलियों की बाढ़ आ जाती है। लेकिन एक कड़वा सवाल हर बार खड़ा होता है–क्या हमने सच में बाबा साहब को समझा है, या सिर्फ उन्हें एक प्रतीक बनाकर उनके विचारों को दबा दिया है? भीमराव रामजी अंबेडकर को हमने संविधान निर्माता कहकर सीमित कर दिया, जबकि उनका व्यक्तित्व इससे कहीं ज्यादा व्यापक और क्रांतिकारी था। सच तो यह है कि आज का भारत आंबेडकर को पढ़ने से ज्यादा उन्हें उपयोग करने में लगा है। भारत के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल व्यक्ति नहीं बल्कि विचारधारा, संघर्ष और परिवर्तन के प्रतीक बन जाते हैं। भीमराव रामजी अंबेडकर ऐसा ही एक विराट व्यक्तित्व हैं, जिन्हें हम प्यार से बाबा साहब कहते हैं। अक्सर उन्हें संविधान निर्माता, दलितों के मसीहा या सामाजिक न्याय के योद्धा के रूप में सीमित कर दिया जाता है, लेकिन सच यह है कि अंबेडकर का व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक व्यापक, गहरा और क्रांतिकारी था। उनके जीवन के कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर आज भी पर्याप्त चर्चा नहीं हुई है–और शायद जानबूझकर नहीं की गई।

केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि एक वैश्विक अर्थशास्त्री : बहुत कम लोग जानते हैं कि बाबा साहब एक उच्च कोटि के अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने अर्थशास्त्र में गहन अध्ययन किया। उनकी प्रसिद्ध थीसिस दी प्रॉब्लम आज भी भारतीय मुद्रा नीति के लिए प्रासंगिक मानी जाती है। उनके आर्थिक विचार इतने आधुनिक थे कि उन्होंने भारत में रिजर्व बैंक जैसी संस्था की कल्पना पहले ही कर ली थी। यह एक ऐसा पहलू है, जिसे आज भी शिक्षा और राजनीति में पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

जल, ऊर्जा और औद्योगिकीकरण के असली योजनाकारः अक्सर यह बताया जाता है कि अंबेडकर सामाजिक न्याय के लिए लड़े, लेकिन यह कम बताया जाता है कि उन्होंने भारत के औद्योगिक और जल संसाधन विकास की भी नींव रखी। उन्होंने दामोदर घाटी परियोजना, हिराकुंड बांध जैसी योजनाओं की परिकल्पना की थी। वास्तव में, भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे की सोच में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है–लेकिन यह पहलू इतिहास की किताबों में लगभग गायब है।

महिलाओं के अधिकारों के पहले सच्चे पैरोकारः आज जब महिला सशक्तिकरण की बात होती है, तो कई नेता और संगठन इसका श्रेय लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि बाबा साहब ने 1950 के दशक में ही महिलाओं के लिए समान अधिकारों की नींव रख दी थी। उनका प्रस्तावित हिंदू कोड बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह और तलाक में बराबरी देने वाला था। लेकिन इस बिल का विरोध इतना तीव्र हुआ कि उन्हें कानून मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। यह घटना बताती है कि अंबेडकर केवल दलितों के नहीं, बल्कि हर शोषित वर्ग के लिए लड़ रहे थे।

धर्म परिवर्तनः केवल आस्था नहीं, एक सामाजिक क्रांति 1956 में जब उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया, तो यह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि एक सामाजिक क्रांति थी। उन्होंने लाखों लोगों को एक ऐसी पहचान दी, जो सम्मान और समानता पर आधारित थी।

लेकिन एक अनछुआ पहलू यह है कि उन्होंने बौद्ध धर्म को भी नए रूप में प्रस्तुत किया–जिसे नवयान बौद्ध धर्म कहा जाता है। यह परंपरागत बौद्ध धर्म से अलग था और सामाजिक न्याय पर अधिक केंद्रित था।

मीडिया और प्रचार से दूर रखा गया व्यक्तित्वः एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि आंबेडकर के कई विचारों को जानबूझकर मुख्यधारा से दूर रखा गया। उनके कई लेख और भाषण आज भी आम जनता तक नहीं पहुंचे हैं। उदाहरण के लिए, उनकी किताब

एनिहिलेशन ऑफ कास्ट एक ऐसी क्रांतिकारी रचना है, जो आज भी सामाजिक ढांचे को चुनौती देती है। लेकिन इसे अक्सर पाठ्यक्रमों में सीमित कर दिया गया है या नजरअंदाज किया गया है।

गांधी- अंबेडकर मतभेदः सच्चाई जो छिपाई गई : महात्मा गांधी और अंबेडकर के बीच मतभेदों को अक्सर सतही तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन यह मतभेद केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वैचारिक थे। अंबेडकर का मानना था कि केवल सुधार से नहीं, बल्कि संरचना को बदलने से ही समाज में समानता आएगी। वहीं गांधी जी छुआछूत के खिलाफ थे, लेकिन जाति व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने के पक्ष में नहीं थे। यह गहरी वैचारिक बहस आज भी प्रासंगिक है, लेकिन इसे अक्सर इतिहास में दबा दिया गया है।

शिक्षाः सबसे बड़ा हथियार

बाबा साहब का सबसे प्रसिद्ध नारा–शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो–आज भी उतना ही प्रासंगिक है। लेकिन उन्होंने केवल नारा नहीं दिया, बल्कि खुद इसके उदाहरण बने। उन्होंने अपने जीवन में अत्यधिक कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त की और यह साबित किया कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है।

राष्ट्रवाद की नई परिभाषाः अंबेडकर का राष्ट्रवाद अंधभक्ति पर आधारित नहीं था। वे मानते थे कि एक सच्चा राष्ट्र वही है, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार और सम्मान मिले। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक और आर्थिक असमानता बनी रही, तो राजनीतिक लोकतंत्र भी खतरे में पड़ जाएगा। आज के समय में यह चेतावनी और भी अधिक प्रासंगिक लगती है।

राजनीतिक संघर्ष और अलग पहचानःअंबेडकर ने कभी भी भीड़ का हिस्सा बनने की राजनीति नहीं की। उन्होंने अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाई और दलितों के लिए स्वतंत्र राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग की। उनकी यह सोच आज भी भारतीय राजनीति में पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है।

आज के दौर में अंबेडकर का अधूरा सपनाः आज हर राजनीतिक दल आंबेडकर का नाम लेता है, उनकी मूर्तियां लगाता है, लेकिन उनके विचारों को लागू करने में अक्सर पीछे रह जाता है। उनका सपना केवल सामाजिक समानता नहीं, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक समानता भी था। लेकिन आज भी समाज में असमानता, भेदभाव और अन्याय मौजूद है।

आज का सबसे बड़ा पाखंड : आज हर कोई कहता है– हम अंबेडकर के रास्ते पर चल रहे हैं। लेकिन अगर सच में ऐसा होता, तो देश में इतनी असमानता, अन्याय और भेदभाव क्यों होता? मूर्ति पर फूल चढ़ाना आसान है, लेकिन उनके विचारों को अपनाना मुश्किल।

एक अधूरी क्रांतिः बाबा साहब अंबेडकर का जीवन एक अधूरी क्रांति की कहानी है। उन्होंने जो बीज बोए, वे आज भी फल दे रहे हैं, लेकिन उनका पूरा सपना अभी भी अधूरा है। जरूरत इस बात की है कि हम उन्हें केवल एक प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि एक विचारधारा के रूप में समझें। उनके अनछुए पहलुओं को सामने लाएं और उन्हें अपने जीवन में लागू करें। क्योंकि अंबेडकर केवल इतिहास नहीं हैं–वे वर्तमान और भविष्य दोनों हैं।

स्वच्छ रांची के संकल्प के साथ निकली स्वच्छांदोलन रैली, जनभागीदारी से गूंजा शहर

मेट्रो रेज

रांची : शहर को साफ-सुथरा बनाने के संकल्प के साथ सोमवार को रांची नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छांदोलन रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस रैली में नगर प्रशासक सुशांत गौरव, महापौर रोशनी खलखो समेत निगम के पार्षद, पदाधिकारी, सफाई कर्मी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

आम लोगों की भागीदारी बनी खास: इस अभियान की सबसे खास बात रही आम लोगों की सक्रिय भागीदारी। बड़ी संख्या में नागरिक रैली में शामिल हुए, जिससे यह साफ दिखा कि अब स्वच्छता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। रांची नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर और मिस यूनिवर्स झारखंड 2025 रिया तिर्की की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया। खासकर युवाओं के बीच उनके जरिए स्वच्छता का सकारात्मक संदेश पहुंचा।

शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरी रैली: रैली नगर निगम कार्यालय से शुरू होकर कचहरी चौक, अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम तक पहुंची। इस दौरान लोगों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर स्वच्छता का संदेश दिया। पूरे रास्ते स्वच्छ रांची, सुंदर रांची और मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा।

रैली से पहले दिलाई गई स्वच्छता की शपथ: कार्यक्रम की शुरूआत में महापौर रोशनी खलखो ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि शहर को साफ रखना सिर्फ नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

जनभागीदारी से ही आएगा बदलाव: नगर प्रशासक सुशांत गौरव ने कहा कि स्वच्छता के अभियान तभी सफल होंगे, जब आम लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। वहीं, रिया तिर्की ने कहा कि स्वच्छता एक आदत है, जिसे हर किसी को अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से ऐसे अभियानों में आगे आने की अपील की।

स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने की पहल: इस रैली के जरिए नगर निगम ने साफ संदेश दिया कि स्वच्छता एक दिन का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली जिम्मेदारी है। अगर हर नागरिक अपनी भूमिका निभाए, तो रांची को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना मुश्किल नहीं है।

आईएएस विनय चौबे को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

मेट्रो रेज

नई दिल्ली/रांची : हजारीबाग में डीसी रहते हुए सेवायत भूमि की कथित अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने उन्हें जमानत दे दी। यह सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ में हुई, जहां कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद सशर्त बेल मंजूर की।

किन शर्तो पर मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने विनय चौबे को कुछ सख्त शर्तों के साथ जमानत दी है। कोर्ट ने साफ कहा है कि वे देश नहीं छोड़ेंगे और केस से जुड़े गवाहों से दूरी बनाए रखेंगे। इन शर्तों के साथ बेल मिलने से उन्हें बड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन केस अभी भी जारी रहेगा।

हाईकोर्ट से पहले मिल चुका था झटका

इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने विनय चौबे की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 6 जनवरी को जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की पीठ ने उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां अब जाकर उन्हें राहत मिली है।

एसीबी केस और चार्जशीट

यह पूरा मामला एसीबी द्वारा दर्ज केस से जुड़ा है। पिछले साल अगस्त में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसीबी ने कांड संख्या 9/2025 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के बाद अउइ ने विनय चौबे के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

क्या है पूरा मामला

विनय चौबे पर आरोप है कि हजारीबाग में डीसी रहते हुए उन्होंने सेवायत भूमि की खरीद-बिक्री में अनियमितता बरती। इसी मामले में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अब सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वे बाहर आ सकेंगे, लेकिन जांच और ट्रायल की प्रक्रिया जारी रहेगी।

आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी: फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब आगे ट्रायल के दौरान ही यह तय होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है।

मो.साबिर हुसैन ने पोर्ट्रेट बनाकर आशा भोसले को दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज

रांची: सिने जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन से पूरे भारतवर्ष में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन से कला एवं सामाजिक जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

इस दुखद अवसर पर रांची के प्रसिद्ध कलाकार मोहम्मद साबिर हुसैन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी एक सुंदर तस्वीर (पोर्ट्रेट) बनाई। यह चित्र उनके प्रति सम्मान, प्रेम और यादों का प्रतीक है। कलाकार ने अपने इस कार्य के माध्यम से आशा भोसले के व्यक्तित्व और उनके योगदान को जीवंत करने का प्रयास किया है।

मोहम्मद साबिर हुसैन ने कहा कि आशा भोसले एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व थीं, जिनकी स्मृतियाँ सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी। उनके द्वारा बनाई गई यह तस्वीर न केवल एक श्रद्धांजलि है, बल्कि उनके जीवन और कार्यों को सहेज ने का एक विनम्र प्रयास भी है।स्थानीय लोगों एवं संगीत प्रेमियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए आशा भोसले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरिदेव सेवा संघ ने पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर किया निःशुल्क भोजन वितरण

मेट्रो रेज

रांची: हरिदेव सेवा संघ द्वारा पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क भोजन वितरण का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष संजीत कुमार साहू ने कहा कि समाज सेवा ही सच्ची मानवता है और जरूरतमंदों की सहायता करना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में कोईलांचल स्टील कामगार यूनियन के उपाध्यक्ष दीपेश पाठक बाबा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कंचन कुमारी, दीपक साहू, कमलेश वर्मा, सोनू यादव, नीरज सिंह, राकेश सिंह, अमर, कार्तिक, जयेश, उज्जवल एवं अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और भोजन वितरण में सहयोग किया।

हरिदेव सेवा संघ द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सेवा कार्य किए जाते रहे हैं, जिससे समाज में सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा मिलता है। संघ ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया है।

बढ़ेगी गर्मी, परेशान करेगी तेज गर्म हवा, 43 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान

संवाददाता

रांची: मौसम विभाग ने झारखंड के लोगों को गर्मी को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में राज्य में गर्म हवाओं के साथ मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जिससे गर्मी और ज्यादा बढ़ सकती है।

कई जिलों में लू जैसी स्थिति: राज्य में कल से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अब राज्य में बारिश की संभावना कम होगी और मौसम ज्यादा सूखा रहेगा। इसके साथ ही गर्म हवाएं चलेंगी, जिससे दिन और रात दोनों के तापमान में बढ़ोतरी होगी। अगले कुछ दिनों में झारखंड के कई जिलों में लू जैसी स्थिति बन सकती है। इनमें रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां शामिल हैं।

43 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान: इन इलाकों में दोपहर के समय तेज गर्म हवाएं लोगों को ज्यादा परेशान कर सकती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अप्रैल महीने में आमतौर पर तापमान 20 से 39.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, लेकिन इस बार हालात ज्यादा गर्म हो सकते हैं। अगले 10 दिनों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। वहीं न्यूनतम तापमान 22 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में दिन के साथ-साथ रातें भी गर्म रहेंगी और लोगों को गर्मी से राहत कम मिलेगी।

आशा भोसले के निधन से गीत-संगीत की दुनिया में खालीपन आ गया : सुबोधकांत

मेट्रो रेज

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने मशहूर गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

अपनी शोक संवेदना में श्री सहाय ने कहा है कि आशा भोसले के निधन का समाचार मर्माहत करने वाला है। उनकी मधुर आवाज ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी मखमली आवाज ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। बहुमुखी प्रतिभा की धनी आशा भोसले भक्ति गीतों से लेकर गजल गायकी, शास्त्रीय गीत-संगीत गायन, लोकगीत, पॉप गीत सहित संगीत की हर शैली में गायकी का परचम लहराया। उनके गाए गीत हमेशा अमर रहेंगे, संगीत प्रेमियों के दिल-दिमाग में छाए रहेंगे। श्री सहाय ने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों, प्रशंसकों व संगीत प्रेमियों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

आशा भोंसले का निधन भारतीय संगीत जगत के एक युग का अंत : रेखा सहाय

मेट्रो रेज संवाददाता

मुंबई/रांची: भारतीय संगीत जगत की महान हस्ती स्वर कोकिला आशा भोसले के निधन से भारतीय संगीत जगत को गहरा आघात लगा है। सुरों की मल्लिका आशा भोसले के अकस्मात गुजर जाने से संगीत जगत में शून्यता आ गई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है।

उक्त बातें प्रख्यात टीवी कलाकार रेखा सहाय ने कही। श्रीमती सहाय ने कहा कि अकस्मात उनके निधन की खबर ने स्तब्ध कर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संगीत जगत की दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले अपने लगभग छह-सात दशकों के कैरियर के दौरान एक से बढ़कर एक यादगार गाने दिए। उन्होंने कई दिग्गज संगीतकारों के साथ भी काम किया। उनकी बहुमुखी प्रतिभा भारतीय संगीत जगत में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। अपने कैरियर के दौरान लगभग 12हजार से अधिक गीतों को आवाज देने वाली आशा भोसले ने 20 से भी अधिक भाषाओं में गाने गाकर संगीत की दुनिया में एक अनोखा मुकाम हासिल किया। उनकी संगीत यात्रा ने दशकों तक भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया। श्रीमती सहाय ने कहा कि मुंबई में कई कार्यक्रमों में आशा भोसले (आशा ताई) के साथ मंच साझा करने का भी उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। मृदुभाषी स्व.भोसले के साथ हुई मुलाकात अविस्मरणीय हैं। संगीत जगत के माध्यम से देश के प्रति उनका योगदान आने वाली पीढ़ियां के लिए प्रेरणादायक है। श्रीमती सहाय ने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार, प्रशंसकों, संगीत प्रेमियों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

प्रज्ञा केंद्र संचालक और उसके पति पर अपराधियों ने चलाई गोली,तीन लाख लूटे

पलामू: जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने प्रज्ञा केंद्र संचालक और उसके पति को गोली मार दी। प्रज्ञा केंद्र संचालक को पैर में गोली लगी है, जबकि उनके पति को गोली कान से छूते हुए निकल गई। दोनों को इलाज के लिए लातेहार के बरवाडीह में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है। रामगढ़ के थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह ने बताया कि अपराधियों ने दो लोगों को गोली मारी है, जिसकी छानबीन की जा रही है। इस मामले में अपराधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुटार में शमा परवीन नामक महिला प्रज्ञा केंद्र का संचालन करती है। वह बरवाडीह की रहने वाली है। वह अपने पति इसराफील के साथ हूंटार जा रही थी, इसी क्रम में अपराधियों ने गोली मारी और लूट की घटना को अंजाम दिया।

नवकार मंत्र से विश्व कल्याण का संदेश, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मेट्रो रेज

रांची: जैन संत श्री पदम मुनि जी महाराज ने प्रवचन के दौरान विश्व नवकार मंत्र दिवस को मानव कल्याण का वैश्विक अभियान बताते हुए संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री रामलाल जी मसा एवं उपाध्याय प्रवर राजेश मुनि जी मसा. ने जीतो के शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के कार्यों की सराहना की है तथा विश्व कल्याण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। इस अवसर पर प्राकृतिक व्याकरण पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसमें मानव जीवन और विश्व शांति से जुड़े विचार प्रस्तुत किए गए हैं। दिगंबर जैन भवन में आयोजित प्रवचन में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा वातावरण भक्ति व आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम में समता युवा संघ के अध्यक्ष राकेश जैन, अशोक सुराणा, विमल दस्सानी, घेवरचंद नाहटा और अमरचंद बेगानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नवकार मंत्र केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देने वाला एक वैश्विक प्रयास है।

बीसीसीएल आउटसोर्सिंग डंप में मिला शव

धनबाद: झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत डिगवाडीह कांटा घर के समीप आउटसोर्सिंग डंप में सोमवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा करने लगे। मृतक की पहचान जेलगोड़ा 7 नंबर खपड़ाधौड़ा निवासी 45 वर्षीय शमीम अंसारी उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार गुड्डू का इस तरह सुनसान स्थान पर शव मिलना कई सवाल खड़ा करता है। लोगों ने आशंका जताई है कि यह मामला हत्या का हो सकता है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि इलाके में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग नहीं होती है, जिसके कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

अली नगर में पार्षद सलाउद्दीन का सम्मान, लोगों ने पानी-बिजली व फ्लैट आवंटन की उठाई मांग

रांची(गुलाम शाहिद) : गुदड़ी चौक स्थित अलीनगर इकरा मोमिन पंचायत के तत्वावधान में वार्ड नंबर 16 के नवनिर्वाचित पार्षद सलाउद्दीन उर्फ संजू के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, खासकर महिलाएं शामिल हुईं।

पंचायत के सदर मोहम्मद शाहिद ने पंचायत सदस्यों के साथ पार्षद को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। लोगों ने अलीनगर बस्ती के 153 छूटे हुए लोगों का नाम फ्लैट आवंटन सूची में शामिल करने, गर्मी को देखते हुए बस्ती में बोरिंग कराने और बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। पार्षद सलाउद्दीन ने लोगों की समस्याओं को सुनते हुए आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों पर पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि छूटे हुए लोगों का नाम फ्लैट आवंटन सूची में जोड़ने का प्रयास किया जाएगा और जल्द ही बस्ती में पानी की समस्या दूर करने के लिए बोरिंग कराया जाएगा। साथ ही अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान अंजुमन इस्लामिया, रांची में बस्ती के कुछ लोगों का नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने की निंदा की गई। समारोह की शुरूआत मौलाना मुकर्रम मदनी द्वारा तिलावत-ए-कुरआन से की गई। मौके पर मोहम्मद परवेज, मोहम्मद अलाउद्दीन, मोहम्मद नईम, मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद अयूब समेत पंचायत के कई सदस्य मौजूद थे।

रांची निवासी मानस दीप्त झा व उनकी टीम 'ऐरावत' की मेहनत लाई रंग

नासा में लहराया भारत का परचम, छात्रों का एचईआरसी के लिए चयन

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के रातु रोड स्थित काजू बागान कॉलोनी निवासी मानस दीप्त झा व बिट्स ,पिलानी (गोवा कैम्पस) की टीम 'ऐरावत' (कुल-10 सदस्य) के इंजीनियरिंग के छात्रों का चयन 'नासा ह्यूमन एक्सप्लोरेशन रोवर चैलेंज (एचईआरसी), 2026 के लिए हुआ। विदित हो कि मानव-चालित-नियंत्रित मून-रोवर का सफल निर्माण टीम ऐरावत की अनोखी उपलब्धि है, जिसे 10 से 12 अप्रैल, 2026 के बीच आयोजित अंतरराष्ट्रीय-स्तर की चंद चुनिंदा टीमों के साथ 'नासा' में प्रायोगिक-प्रदर्शन-हेतु बुलाया गया। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य (भू-राजनीतिक अस्थिरता) के इस दौर में 'मून-रोवर' को साथ लेकर सीमित समय में 'नासा' पहुंचना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जो अंततः सफल हुआ। 'ऐरावत'-टीम ने इतिहास रचा और 'नासा' में तिरंगा लहराकर भारतीय अस्मिता को अक्षुण्ण रखा। 'मानस-दीप्त और उसकी ऐरावत-टीम' की यह उपलब्धि सभी भारतवासियों के लिए गर्व की बात है। गौरतलब है कि मानस की मां 'सुषमा झा' डीएवी स्कूल, रांची में अध्यापिका और कवयित्री हैं। पिता मनोज कुमार झा भारतीय जीवन बीमा निगम में विकास अधिकारी और कवि व लेखक हैं। मानस व उनकी टीम की इस उपलब्धि पर उनके परिजनों, रिश्तेदारों व शुभचिंतकों ने बधाई दी है। उक्त जानकारी काजू बागान कॉलोनी (वेस्ट एंड पार्क) निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी कृष्ण मुरारी गिरि ने दी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भविष्य का अमृत ईंधन है थोरियम

तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्र से हाल ही में प्राप्त एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ने भारत की ऊर्जा यात्रा को नई दिशा दी है। वैज्ञानिकों ने परमाणु अभिक्रिया की संतुलित अवस्था, जिसे ह्लक्रिटिकैलिटीह्व कहा जाता है, सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली है। यह उपलब्धि एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता के साथ भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता के सपने की ओर एक ठोस कदम है। इस परिप्रेक्ष्य में थोरियम एक ऐसे ह्लभविष्य के अमृत ईंधनह्व के रूप में उभर रहा है, जिसे लेकर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में ऊर्जा क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी।

थोरियम की सबसे बड़ी विशेषता उसका अत्यधिक ऊर्जा घनत्व है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक टन थोरियम से उतनी ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जितनी लगभग 35 लाख टन कोयले से मिलती है। यह तुलना न केवल थोरियम की क्षमता को दशार्ती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि यदि इसका प्रभावी उपयोग किया जाए तो ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान संभव है।

भारत की भौगोलिक संरचना इसे थोरियम के मामले में विशेष रूप से समृद्ध बनाती है। विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल के अलप्पुझा और कोल्लम तट, तमिलनाडु के कन्याकुमारी और मनावलकुरिची, ओडिशा के चांदीपुर तट तथा आंध्र प्रदेश के कुछ तटीय क्षेत्रों में मोनाजाइट रेत के रूप में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह संसाधन भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में भी ला सकता है। अनुमान है कि यह भंडार हजारों वर्षों तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

थोरियम की इस अपार संभावना को भारत ने बहुत पहले पहचान लिया था। वर्ष 1950 में महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में दूरदर्शिता दिखाई। उन्होंने यह समझ लिया था कि भारत में यूरेनियम की सीमित उपलब्धता के कारण थोरियम ही भविष्य का विकल्प बन सकता है। हालांकि, थोरियम का सीधा उपयोग संभव नहीं है; इसे पहले यूरेनियम-233 में परिवर्तित करना पड़ता है, जो एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए डॉ. भाभा ने भारत के लिए त्रि-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की परिकल्पना की।

इस कार्यक्रम के पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में इस प्लूटोनियम की सहायता से थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाता है। तीसरे और अंतिम चरण में इस परिवर्तित ईंधन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। यह एक दीर्घकालिक और वैज्ञानिक रूप से जटिल योजना थी, लेकिन इसकी सफलता भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है।थोरियम का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह एक रेडियोधर्मी धातु है जिसका उपयोग रेडियोमेट्रिक डेटिंग में किया जाता है, जिससे चट्टानों और जीवाश्मों की आयु का निर्धारण संभव होता है। इसके अलावा, मैग्नीशियम के साथ मिश्रधातु के रूप में इसका उपयोग उच्च ताप सहनशील और मजबूत सामग्री बनाने में होता है, जो विमानन और उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को अपने प्रारंभिक वर्षों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। प्रशासनिक उदासीनता, संसाधनों की कमी और 1974 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने इसकी गति को धीमा कर दिया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक सहयोग की कमी के कारण भी यह कार्यक्रम अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में एक और गंभीर समस्या सामने आई थोरियम की तस्करी और अवैध खनन। 2004 के बाद से समुद्री तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मोनाजाइट रेत के गायब होने की घटनाएं सामने आईं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लाखों टन सामग्री अवैध रूप से विदेशों, विशेषकर चीन, को भेजी गई। यदि ये आरोप सत्य हैं, तो यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। वर्तमान समय में भारत सरकार ने इस दिशा में नए सिरे से प्रयास शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में थोरियम आधारित ऊर्जा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जा रही है। डॉ. भाभा का जो सपना दशकों पहले अधूरा रह गया था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है। भारत के पास विश्व के लगभग 25 फीसद थोरियम भंडार हैं, जो इसे इस क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बना सकते हैं। सरकार ने स्वदेशी तकनीकों के विकास पर जोर देते हुए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत भारी जल रिएक्टर जैसी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है। इन रिएक्टरों का उद्देश्य थोरियम के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नीतिगत सुधार और निवेश में वृद्धि ने इस क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब थोरियम एक स्वच्छ, सुरक्षित और दीर्घकालिक विकल्प के रूप में सामने आया है। थोरियम आधारित ऊर्जा उत्पादन में रेडियोधर्मी कचरा अपेक्षाकृत कम होता है और इसकी सुरक्षा भी अधिक होती है। यही कारण है कि इसे भविष्य का ह्लगेम-चेंजरह्व ईंधन कहा जा रहा है।

अतः यह कहा जा सकता है कि थोरियम न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि यह देश को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान भी दिला सकता है। आवश्यकता है तो केवल दूरदर्शिता, पारदर्शिता और सतत प्रयासों की। यदि भारत अपने इस प्राकृतिक संसाधन का सही दिशा में उपयोग करता है, तो वह न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विश्व को भी स्वच्छ और सतत ऊर्जा का मार्ग दिखा सकेगा।

सबरीमाला मंदिर पुनर्विचार में आस्था और परंपरा का ध्यान रखना जरूरी है

इससे पूर्व 2018 में दिए गए 4:1 बहुमत के निर्णय ने 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी परंपरागत रोक को समाप्त कर दिया था। इसे एक वर्ग ने लैंगिक समानता की जीत के रूप में प्रस्तुत किया, किंतु इस निर्णय का विरोध हुआ, यहां समझनेवाली बात यह है कि इसे लेकर पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी सामने आईं, जिन्होंने इस न्यायालयीन निर्णय का विरोध किया ।

डॉ. निवेदिता शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2018 के सबरीमला निर्णय पर पुनर्विचार की प्रक्रिया को लेकर आज हमने यह माल लिया है कि यह भारत की सभ्यतागत चेतना, उसकी आध्यात्मिक परंपराओं और आधुनिक संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर प्रयास है। सबरीमाला मंदिर विवाद का मूल प्रश्न महिलाओं के प्रवेश से जुड़ा अवश्य है, किंतु इसकी गहराई इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह उस बिंदु को छूता है जहां भारतीय सभ्यता की हजारों वर्षों से चली आ रही जीवंत परंपराएं आधुनिक न्यायशास्त्र के साथ संवाद करती हैं।

इससे पूर्व 2018 में दिए गए 4:1 बहुमत के निर्णय ने 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी परंपरागत रोक को समाप्त कर दिया था। इसे एक वर्ग ने लैंगिक समानता की जीत के रूप में प्रस्तुत किया, किंतु इस निर्णय का विरोध हुआ, यहां समझनेवाली बात यह है कि इसे लेकर पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी सामने आईं, जिन्होंने इस न्यायालयीन निर्णय का विरोध किया । सभी को समझना होगा कि सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा को नैष्ठिक ब्रह्मचारी के रूप में पूजा जाता है। यह एक विशिष्ट आध्यात्मिक अनुशासन का प्रतीक है।

भारतीय परंपरा में देवता का स्वरूप ही उपासना की पद्धति को निर्धारित करता है। ऐसे में यदि उस स्वरूप से जुड़ी परंपराओं में परिवर्तन किया जाता है, तब वह सिर्फ सामाजिक सुधार नहीं होता है, उस देवता की अवधारणा में हस्तक्षेप के समान हो जाता है। यही कारण है कि अनेक श्रद्धालु इस मामले को समानता बनाम भेदभाव के सरल द्वंद्व के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे आस्था की अखंडता के प्रश्न के रूप में समझते हैं।

इस विवाद का एक महत्वपूर्ण आयाम न्यायपालिका की बढ़ती भूमिका है, विशेषकर धार्मिक मामलों में। ह्लअनिवार्य धार्मिक प्रथाओंह्व का सिद्धांत, जो शिरूर मठ मामले में विकसित हुआ था, प्रारंभ में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था, किंतु समय के साथ यह सिद्धांत न्यायालयों को यह निर्धारित करने का अधिकार देने लगा है कि किसी धर्म की मूलभूत प्रथाएं कौन-सी हैं। यह परिवर्तन चिंताजनक है, क्योंकि इससे न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करने लगती है, जो मूलतः धर्मशास्त्रीय और आध्यात्मिक हैं।

याचिकाकताओं का यह तर्क महत्वपूर्ण है कि न्यायाधीश, चाहे कितने ही विद्वान क्यों न हों, वे सदियों पुरानी परंपराओं की आध्यात्मिक गहराई का पूर्ण आकलन नहीं कर सकते। यदि न्यायालय यह तय करने लगें कि कौन-सी प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तो वे आस्था के निर्णायक बन जाते हैं। यह धार्मिक स्वायत्तता के सिद्धांत के विपरीत है, जोकि भारतीय संविधान की आत्मा में निहित है।

इस पूरे विवाद के केंद्र में एक और गहरी समस्या है, पाश्चात्य कानूनी ढांचे और भारतीय सभ्यतागत वास्तविकताओं के बीच असंगति का होना। पश्चिमी विचारधारा में धर्म को प्रायः एक संगठित, केंद्रीकृत संस्था के रूप में देखा जाता है, जहां नियम स्पष्ट और संहिताबद्ध होते हैं। उनके लिए ये धर्म सिर्फ एक रिलीजन है। ऐसे में रिलीजन के अर्थ में धर्म बहुत सीमित हो जाता है, इसके विपरीत भारत में धर्म जीवन का समग्र दर्शन है, जोकि विविधता, बहुलता और संदभार्नुकूलता पर आधारित है। यहां परंपराएं स्थानीय, जीवंत और निरंतर विकसित होती रहती हैं।

ऐसी स्थिति में यदि पश्चिमी उदारवादी अवधारणाओं, जैसे कि व्यक्तिगत अधिकारों की पूर्ण प्राथमिकता को भारतीय संदर्भ में बिना समुचित अनुकूलन के लागू किया जाता है तो यह स्वाभाविक रूप से टकराव उत्पन्न करता है। सबरीमाला मंदिर का निर्णय इसी टकराव का एक उदाहरण माना जा सकता है, जहां व्यक्तिगत अधिकारों को सामूहिक आध्यात्मिक परंपराओं के ऊपर प्राथमिकता दी गई।

न्यायालय को आज यह भी ध्यान देना चाहिए कि सबरीमला आंदोलन का एक उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि इसमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। यह तथ्य उस धारणा को चुनौती देता है कि यह संघर्ष केवल महिलाओं के अधिकारों के विरुद्ध था। अनेक महिलाएं स्वयं इस परंपरा के पक्ष में खड़ी हुईं, क्योंकि वे इसे भेदभाव नहीं, बल्कि एक विशेष आध्यात्मिक अनुशासन का हिस्सा मानती हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में आस्था और पहचान के प्रश्न केवल अधिकारों की भाषा में नहीं समझे जा सकते हैं।

पुनर्विचार याचिकाओं में धार्मिक स्वायत्तता की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। धार्मिक संगठनों का तर्क है कि भारतीय धर्मों को अब तक स्पष्ट कानूनी पहचान नहीं मिली है, जिसके कारण वे अपने अधिकारों की प्रभावी रक्षा नहीं कर पाते। इस स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप बढ़ जाता है, जोकि धार्मिक स्वतंत्रता के लिए चुनौती बन सकता है। इस संदर्भ में यह सुझाव भी महत्वपूर्ण है कि न्यायालयों को धार्मिक मामलों में विशेषज्ञों और धमार्चार्यों से परामर्श करना चाहिए। जैसे तकनीकी मामलों में विशेषज्ञों की राय ली जाती है, वैसे ही धर्म से जुड़े मामलों में भी संबंधित परंपराओं के ज्ञाताओं की सहभागिता आवश्यक है। यह दृष्टिकोण न्यायिक प्रक्रिया को अधिक संतुलित और संवेदनशील बना सकता है।

केरल सरकार के रुख में आया परिवर्तन भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। पहले जहां उसने 2018 के निर्णय का समर्थन किया था, वहीं अब उसने यह स्वीकार किया है कि दीर्घकालिक परंपराओं पर निर्णय लेने से पहले धार्मिक विद्वानों से परामर्श आवश्यक है। यह बदलाव इस तथ्य को रेखांकित करता है कि आस्था से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों के माध्यम से हल नहीं किए जा सकते। ह्लसंवैधानिक नैतिकताह्व बनाम ह्लसामाजिक नैतिकताह्व का विमर्श भी इस विवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संवैधानिक नैतिकता हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों की ओर उन्मुख करती है, किंतु इसका प्रयोग सावधानीपूर्वक होना चाहिए। यदि इसे इस प्रकार उपयोग किया जाए कि वह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी तरह नकार दे, तो यह एक प्रकार की न्यायिक अतिरेकता बन सकती है। वहीं, ह्लसामाजिक नैतिकताह्व का हवाला देकर हर परंपरा को बिना जांच के स्वीकार करना भी उचित नहीं है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि इन दोनों के बीच एक संतुलन स्थापित किया जाए। न्यायालय को यह समझना होगा कि भारतीय समाज में धर्म केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं, बल्कि सामूहिक पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता का आधार है।

सबरीमाला प्रकरण में प्रस्तुत उदाहरण जैसे कुछ मंदिरों में पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित होना या विशेष परिस्थितियों में ही अनुमति मिलना यह दशार्ते हैं कि भारतीय धार्मिक परंपराएं अत्यंत विविध और विशिष्ट हैं। इन्हें एक समान मानक से नहीं परखा जा सकता। प्रत्येक परंपरा का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संदर्भ होता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैश्विक संकटों के बीच विश्व बैंक अकेला नहीं जो भारत की गाथा कह रहा

वर्ल्ड बैंक द्वारा 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.6 प्रतिशत तक बढ़ाना इस बात का प्रमाण है कि भारत हर परिस्थिति पर नियंत्रित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। यहां समझनेवाली बात है कि यह इतना आसान भी नहीं है, जितना कि बाहर से किसी को दिखाई दे, क्योंकि महंगाई, ऊर्जा लागत और वैश्विक अस्थिरता जैसे खतरे सामने खड़े हैं। ऐसे मे यदि हम वर्ल्ड बैंक के अतिरिक्त अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमानों पर दृष्टि डालें, तब एक समान संदेश सामने आता है, वह है कि भारत स्थिर है, सक्षम है और आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस समय पश्चिम एशिया में संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं, पर इन सबके बीच भारत का प्रदर्शन आश्चर्यजनक रूप से संतुलित और सुदृढ़ दिखाई देता है। विश्व बैंक से लेकर तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आश्वस्त कर रही हैं कि भारत जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था और भविष्य की दृष्टि से हर चुनौती के लिए तैयार दिख रहा है, वह काबिले तारीफ है।

वस्तुतः वर्ल्ड बैंक द्वारा 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.6 प्रतिशत तक बढ़ाना इस बात का प्रमाण है कि भारत हर परिस्थिति पर नियंत्रित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। यहां समझनेवाली बात है कि यह इतना आसान भी नहीं है, जितना कि बाहर से किसी को दिखाई दे, क्योंकि महंगाई, ऊर्जा लागत और वैश्विक अस्थिरता जैसे खतरे सामने खड़े हैं। ऐसे मे यदि हम वर्ल्ड बैंक के अतिरिक्त अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमानों पर दृष्टि डालें, तब एक समान संदेश सामने आता है, वह है कि भारत स्थिर है, सक्षम है और आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भी 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इसका मानना है कि भारत की आर्थिक संरचना इतनी मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को सहजता से झेल सकती है, क्योंकि इसकी रीढ़ घरेलू मांग है, न कि केवल निर्यात। इसी प्रकार एशियन डेवलपमेंट बैंक ने 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाते हुए स्पष्ट किया है कि भारत का बुनियादी ढांचा निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में सुधार इसे 2026 में पूरे वर्ष भर वैश्विक संकटों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यही विचार ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के भी हैं, जोकि भारत की वृद्धि को 6.6 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत के बीच मानता है और यह रेखांकित करता है कि भारत की कर प्रणाली, श्रम सुधार और निर्यात रणनीति इसे अन्य अर्थव्यवस्थाओं से अलग बनाती है।

अब बात यहां मूडीज के साथ स्टैंडर्ड एंड पुअर्स और फिच रेटिंग्स जैसी रेटिंग एजेंसियों की भी कर लेते हैं, यह भी भारत के संदर्भ में लगभग 6.4 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि का अनुमान देती हैं। इन संस्थाओं का एकमत विश्वास इस तथ्य को पुष्ट करता है कि भारत आज के समय में सिर्फ संभावनाओं की अर्थव्यवस्था से कहीं आगे होकर अपना प्रदर्शन कर रहा है।

भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार उसकी घरेलू मांग है। जब वैश्विक बाजारों में मांग घटती है, तब भी भारत के भीतर उपभोग का स्तर अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। यह एक ऐसी विशेषता है जो बहुत कम देशों में देखने को मिलती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में संभावित कटौती, सरकारी योजनाओं के माध्यम से आय में वृद्धि और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति ने उपभोग को निरंतर बनाए रखा है। यही कारण है कि वैश्विक मंदी का प्रभाव भारत पर सीमित रहता है। वहीं, भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में किया जा रहा निवेश आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल नेटवर्क इन सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पूंजीगत व्यय किया जा रहा है।

यह निवेश वर्तमान विकास को सतत बढ़ा रहा है, बल्कि यह भी कह सकते हैं कि यह भविष्य के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करता है। क्योंकि जब निजी निवेश अनिश्चितता के कारण धीमा पड़ता है तब सरकारी निवेश अर्थव्यवस्था को गति देने का कार्य करता है।

भारत की डिजिटल क्रांति इन दिनों आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा दे रही है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), आधार और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी प्रणालियों ने आर्थिक लेन-देन को सरल और तेज बना दिया है। छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक, डिजिटल तकनीक ने सभी को सशक्त बनाया है। यह परिवर्तन भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।

इसके अलावा एक कारण देश में ऊर्जा की पर्याप्तता भी है। दरअसल, पश्चिम एशिया के संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर दिया है। तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई है।ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, रणनीतिक भंडार का निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर, विंड) की ओर तेजी से बढ़ते कदम, वस्तुतः ये सभी प्रयास भारत को इस संकट से बचाने में सहायक सिद्ध हुए हैं।

यहां कहना यह भी होगा कि वर्तमान में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए संतुलित मौद्रिक नीति अपनाई है। जहां एक ओर ब्याज दरों के माध्यम से मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विकास की गति को भी प्रभावित नहीं होने दिया जा रहा। सरकार द्वारा लक्षित सब्सिडी प्रदान करना और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

इन्हीं तथ्यों को ओर बेहतर तरीके से पुस्तक ह्लद इंडिया वेह्व में एस. जयशंकर और गहराई से स्पष्ट करते हैं, उनका कहना है कि भारत की नीति ह्लरणनीतिक स्वायत्तताह्व पर आधारित है, यानी कि भारत अपने निर्णय स्वयं लेता है और वैश्विक दबावों के अनुसार अपनी दिशा नहीं बदलता।ह्लइंडिया सीक्स टू शेप ग्लोबल आउटकम्स, नॉट जस्ट रिएक्ट टू देम।ह्व इसी प्रकार ह्लइंडिया अनबाउंडह्व के लेखक गुरचरण दास इस बात को रेखांकित करते हैं कि आर्थिक सुधारों ने भारत को लचीला और आत्मनिर्भर बनाया है।ह्लइकोनॉमिक फ्रीडम हैज अनलीश्ड इंडियाज एंटरप्रेन्योरियल एनर्जी।ह्व निश्चित तौर पर यह विचार भारत की वर्तमान आर्थिक नीतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

इसके साथ ही भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा जनसंख्या बनकर उभरी है। एक विशाल कार्यबल न सिर्फ उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है, यह नवाचार और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित करता है। वस्तुतः जब दुनिया के कई विकसित देश वृद्धावस्था की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत की युवा ऊर्जा उसे निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दशा माता व्रत के दिन भूलकर न करें ये गलती, राजा नल को गंवाना पड़ा था अपना पूरा राजपाट

चैत्र माह के कृष्ण पक्षी की दशमी तिथि को दशा माता का व्रत किया जा रखा जाता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक दशा माता देवी पार्वती का एक स्वरूप हैं, जिनका वाहन ऊंट है। दशा माता के व्रत में नीम, पीपल और बरगद की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा कहा जाता है कि जो भी भक्त दशा माता का व्रत करके उनका डोरा बांधता है, उसको कभी धन-संपत्ति की कमी नहीं होती है। दशा माता व्रत का पूरा लाभ उठाने के लिए इनकी कथा जरूर पढ़नी चाहिए।

दशा माता व्रत की कथा

प्राचीन काल में एक नल नामक राजा हुआ करता था। वह अपनी पत्नी दयमंती के साथ राज किया करते थे। रानी दमयंती दशा मां की भक्त थीं और पूरी श्रद्धा के साथ व्रत करती थीं और पूजा करती थीं। एक बार राजा नल ने रानी के गले में धागा देखा और इसके बारे में पूछा तो रानी ने दशा माता की पूजा के बारे में बताया। राजा नल को उनकी बातों पर भरोसा नहीं हुआ और रानी के गले से धागा निकालकर फेंक दिया। ऐसा करने में राजा नल पर दशा माता कुपित हो गईं। वहीं राजा नल जुएं में अपना राजपाठ हारकर वन में भटकने लगे। राजा नल पर चोरी का भी आरोप लगा। राजा रानी की स्थिति यह हो गई कि उनको अपने भरण पोषण के लिए जंगल से लकड़ी काटकर बेचने लगे। रानी दमयंती का माता दशा पर अटूट विश्वास था। जब दोबारा चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की दशमी आई, तो राजा और रानी दोनों ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ माता का व्रत और पूजा की। उसी रात दशा माता ने रानी को स्वप्न में आकर आशीर्वाद दिया।

जब रानी दमयंती ने राजा को यह बात बताई, तो राजा ने कहा कि मां के आशीर्वाद से हमारे पुराने दिन जरूर लौट आएंगे। धीरे-धीरे राजा की स्थिति में सुधार होने लगा। वहीं दशा मां की कृपा से राजा नल को अपना खोया हुआ राज्य वापस मिल गया। इस तरह जो भी दशा माता का व्रत करता है, उसके जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। इसलिए सभी भक्तों को पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ माता दशा की पूजा करनी चाहिए। वहीं स्त्रियों को कथा-पूजन कर धागा पहनना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

घंटों मशक्कत के बाद मरीज को ले जाया गया बाहर

साहिबगंज : जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था फिर से चरमराने लगी है।रविवार को सड़क हादसे में घायल हुए युवकों को बेहतर इलाज के लिए बाहर ले जाने के लिए घंटों मशक्कत करना पड़ा।मिली जानकारी के अनुसार दोपहर 3:00 बजे बोरियो से साहिबगंज की ओर आ रहे चार चक्का वाहन जेएच-18 जी 6565 सव 500 उजले रंग की गाड़ी दुर्गा टोला से पहले तेतरिया संथाली के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई।विद्युत पोल से टकराने के बाद वाहन 10 फीट नीचे पहाड़ी झरना में गिर गई।उसमें सवार पांच युवकों को पास के लोगों ने भारी मशक्कत के बाद नीचे गहराई से ऊपर रोड पर निकाल सदर अस्पताल पहुंचाया।घायलों के प्राथमिक उपचार के उपरांत गंभीर रूप से घायल दो युवक करण कुमार एवं कुमार को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।लेकिन सदर अस्पताल में पड़ी चार एंबुलेंस में से एक भी एंबुलेंस गंभीर स्थिति में घायल युवकों को लेकर बाहर जाने की स्थिति में नहीं थी।जिससे परिजन हंगामा करने लगे।हालांकि तकरीबन एक से सवा घंटे के बाद सर अस्पताल के सुपरवाइजर रिटायर्ड आर्मी जवान ने एंबुलेंस की व्यवस्था कर दोनों घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए बाहर भेजा।इधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी,बोरियो थाना प्रभारी,बरहरवा थाना प्रभारी ने दलबल के साथ वहां पहुंच हंगामा कर रहे युवकों को समझा-बुझा कर मामला शांत कराया।

बाबू वीर कुमार सिंह प्रतिमा के नजदीक विजयोउत्सव मनाने का निर्णय

साहिबगंज : बाबू वीर कुंवर सिंह का 23 अप्रैल को विजयोउत्सव धूमधाम एवं भव्य तरीके से मनाने को लेकर राजेश्वर प्रसाद सिंह के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की अध्यक्षता राजेश्वर प्रसाद सिंह ने किया।जिसमें 23 अप्रैल को टाउन हॉल पोखरिया स्थित बाबू वीर कुमार सिंह प्रतिमा के नजदीक विजयोउत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है।मौके पर संतोष सिंह,प्रदीप सिंह मुनीलाल पांडे,रंजन सिंह,विनय सिंह,श्यामानंद सिंह,गौतम प्रसाद सिंह,प्रोफेसर रणजीत सिंह,बच्चन सिंह,बबलू सिंह,अरविंद सिंह,मदन कान्त,अनिल सिंह सहित दर्जनों सदस्यगण उपस्थित थे।

सतत धरना स्थल पर कंपनी के विरोध में मनाया अधिकार दिवस

बड़कागांव : प्रखंड में कर्णपुरा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा चलाए जा रहे सतत धरना आंदोलन के तीन वर्ष पूरे होने पर रविवार को अधिकार दिवस मनाया गया। यह आंदोलन 12 अप्रैल 2023 से शुरू हुआ था, जो अब तीन वर्ष पूरे कर चुका है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा अपनी पत्नी नीलिमा सिन्हा के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को समर्थन दिया। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखते हुए बताया कि बड़कागांव प्रखंड के कई गांवों को खनन के लिए आवंटित कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र के अस्तित्व पर संकट गहरा गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह प्रक्रिया नहीं रुकी, तो पूरा इलाका प्रभावित हो सकता है।यशवंत सिन्हा ने लोगों के संघर्ष और साहस की सराहना करते हुए कहा कि वे जनता की आवाज बनकर उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाएंगे और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने स्वयं को इस आंदोलन का हिस्सा घोषित किया। नीलिमा सिन्हा ने भी ग्रामीणों की एकजुटता की प्रशंसा की।कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

डुंगो में हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की तैयारी को लेकर बैठक

टाटीझरिया : :टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डुंगो गांव में श्री श्री 1008 शिव परिवार सह हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की तैयारी को लेकर रविवार को बैठक की गई। यज्ञ को सफल बनाने के लिए कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष हरिनाथ यादव , उपाध्यक्ष गणेश यादव, सचिव प्रकाश गंझू, उपसचिव योधी प्रजापति, कोषाध्यक्ष पवन कुमार यादव को बनाया गया। महायज्ञ कार्यक्रम में 20 अप्रैल को ध्वजारोपण, 25 अप्रैल को जलयात्रा, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, 26 अप्रैल को वेदीपूजन, अरणीमंथन, जलाधिवास, संध्या आरती, प्रवचन, 27 अप्रैल को वेदीपूजन, हवन, अन्नाधिवास, वस्त्राधिवास, संध्या आरती, प्रवचन, 28 अप्रैल को वेदीपूजन, हवन, नगर भ्रमण, शय्याधिवास, घृतढारी, संध्या आरती, प्रवचन, 29 अप्रैल को वेदीपूजन, शिखर स्नान, महास्नान, प्राण प्रतिष्ठा, हवन, कन्यापूजन, ब्राह्मण भोजन एवं भंडारा का आयोजन होगा। बैठक में मुख्य रूप से लक्ष्मण यादव, नाथो गंझू, लखन गंझू, सोनू पासवान, चुरामन प्रजापति, प्रयाग प्रजापति, माधो गंझू, , अंजू देवी, राधा देवी, रीना देवी, मनीषा देवी, गुडिया देवी सहित कई लोग शामिल थे।

चरही में गायत्री परिवार की ओर से किया गया सात्पाहिक हवन

चरही : चुरचू प्रखंड के अखिल विश्व गायत्री परिवार चरही प्रज्ञा मंडल के तत्वावधान से चरही चौक में साप्ताहिक यज्ञ हवन करने के उपरांत गायत्री परिवार के लोगों के बीच एक गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित कि गई। बैठक में गायत्री परिवार के हजारीबाग जिला समन्वयक समीति के द्वारा किया गया। बैठक में चल रहे शताब्दी वर्ष के प्रगति कि समीक्षा कि गई। साथ ही सामाजिक गतिविधियों में गायत्री परिवार कि भूमिका मनुष्यों में देवत्व का अवतरण, बाल संस्कार, पुशवन संस्कार, सनातन संस्कृति को घर- घर पहुंचाना आदि शामिल है। शताब्दी वर्ष में सामूहिक यज्ञ करवाना जैसे कार्यो को तय किया गया है। बैठक में मुख्य रूप से अरविन्द कुमार, राजा राम सिंह, राजेन्द्र विश्वकर्मा, वृज किशोर सिन्हा, प्रभुजी, कामता पंडित, संजय कुमार सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के लिए 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा पी.जी. सेमेस्टर-3 (सत्र 2024-26) के विद्यार्थियों के लिए एक विस्तृत एवं सुव्यवस्थित 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 07 अप्रैल 2026 को प्रारंभ होकर 11 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों को आंध्र प्रदेश के प्रमुख तटीय शहर विशाखापट्टनम (विशाखापटना) ले जाया गया, जहां उन्होंने विविध भौगोलिक एवं पर्यावरणीय पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भूगोल विषय के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ना तथा उन्हें स्थलाकृतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं की वास्तविक समझ प्रदान करना था। भ्रमण का नेतृत्व विभाग की विभागाध्यक्ष स्वेता मरांडी, प्राध्यापक जेपी रजक एवं सहायक प्राध्यापिका पल्लवी चौधरी द्वारा किया गया। इनके कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न स्थलों का गहन अध्ययन एवं अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने समुद्र तट, बंदरगाह क्षेत्र, संग्रहालय, वैज्ञानिक संस्थान तथा अन्य महत्वपूर्ण दर्शनीय एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया। इन स्थलों के निरीक्षण से विद्यार्थियों को तटीय भू-आकृतियों, समुद्री प्रक्रियाओं, बंदरगाह की कार्यप्रणाली, शहरीकरण के प्रभाव, पर्यावरणीय संतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के विषय में विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को क्षेत्रीय विशेषताओं, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, मानव गतिविधियों द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों तथा संसाधनों के सतत उपयोग के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया। विभाग के शिक्षकों ने प्रत्येक स्थल पर विद्यार्थियों को संबंधित विषयों की गहराई से जानकारी दी तथा उनके जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का समाधान किया, जिससे उनकी विषयगत समझ और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक हुई। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इससे उन्हें न केवल पुस्तकीय ज्ञान का वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग देखने का अवसर मिला, बल्कि उनके अध्ययन में रुचि, विश्लेषणात्मक क्षमता, व्यावहारिक समझ एवं आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस शैक्षणिक भ्रमण में कुल 37 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 14 छात्र एवं 23 छात्राएं शामिल थीं। सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लेते हुए इस अनुभव को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं स्मरणीय बताया। अंततः, स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा आयोजित यह 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पूर्णतः सफल, सुव्यवस्थित एवं विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला सिद्ध हुआ।

स्वास्थ्य सेवाओं को केवल अस्पताल की दीवारों तक सीमित रखना नहीं : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से सोमवार की सुबह साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में एक बेहद सराहनीय और अभिनव कार्यक्रम प्रातः चौपाल सिविल सर्जन के नेतृत्व मे चाय पर श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य चर्चा का सफल आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक हुआ।।सीधा संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के उस वर्ग श्रमिकों तक पहुँचना था। जो अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण अक्सर स्वास्थ्य जांच और परामर्श से वंचित रह जाते हैं। सहभागिता इस चौपाल में सिविल सर्जन कार्यालय,सदर अस्पताल साहिबगंज और सदर प्रखंड शहरी और ग्रामीण की स्वास्थ्य टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।स्वास्थ्य परामर्श चाय की चुस्कियों के साथ अनौपचारिक माहौल में श्रमिकों को मौसमी बीमारियों, स्वच्छता के महत्व और नियमित जांच के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं को केवल अस्पताल की दीवारों तक सीमित रखना नहीं बल्कि उन्हें सीधे उन लोगों तक पहुँचाना है।जो राष्ट्र निर्माण में अपना पसीना बहाते हैं।यह चौपाल एक संवाद का माध्यम है ताकि हम उनकी समस्याओं को करीब से समझ सकें।निःशुल्क जांचःचौपाल के दौरान कई श्रमिकों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच बीपी,शुगर आदि भी की गई और उन्हें आवश्यक परामर्श दिए गए।मौके पर उपस्थित श्रमिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे विभाग की एक मानवीय और संवेदनशील सोच बताया। इस अवसर पर डॉ मुकेश कुमार,स्वास्थ्य विभाग के सती बाबू डवडा,मुनीलाल पांडे ललित कुमार सिंह सहित एएनएम स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

अपराध नियत्रंण के लिए पुलिस योजनाबद्ध तरीके से काम करेगी : एसपी

किसी भी हाल में अपराध व अपराधी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में रविवार को पुलिस विभाग की अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की।उन्होंने बंगाल चुनाव को लेकर जिले की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने व अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए।उन्होंने असमाजिक तत्वों को चिन्हित करने शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने बाइक की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने,चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों व बाजारों में मटरगश्ती करने वालों से सख्ती से निपटने हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखने थाना में लंबित कांडों का जल्द से जल्द अनुसंधान कर निष्पादन करने,लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने अवैध लॉटरी शराब जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया।एसपी ने बताया कि अपराध नियत्रंण के लिए पुलिस योजनाबद्ध तरीके से काम करेगी। किसी भी हाल में अपराध व अपराधी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराध की मंशा रखने वाले लोग जिला छोड़ दें। मौके पर डीएसपी विजय कुशवाहा, एसडीपीओ किशोर तिर्की, राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी बरहरवा एसडीपीओ नीतीन कुमार खंडेलवाल नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय,मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,रिवर थाना प्रभारी लव कुमार सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

सामाजिक विवाद से जुड़े मामलों का हुआ निपटारा

संवाददाता

दुमका : रविवार को महिला थाना, दुमका में थाना प्रभारी पु०अ०नि० अनुपमा सोरेंग के अध्यक्षता में महिला कोषांग के सदस्य क्रमशः विजय कु० महतो, डॉ मनोज कु० घोष (समाज सेवक) विणा सिह (अधिवक्ता) डॉ बबीता कुमारी अग्रवाल (मेडिकल ऑफिसर) डॉ कुमार प्रभात (अधिवक्ता) के उपस्थिति में उङ्गल्लल्लरी'ׅ'ल्लॅ का आयोजन किया गया जिसमे कुल 08 मामलो में दोनो पक्षो मे आपसी समझौता कराया गया एंव अन्य एक मामला में समझौता नहीं हो सका जिस पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। समझौता किये गये मामलो की संख्या इस प्रकार है:-

1.प्रथम पक्ष-साबिना खातुन पति-अमन अंसरी, ग्राम-नूरपाड़ा थाना-नगर जिला-दुमका।
दितीय पक्ष-अमन अंसरी, पिता-बबलू अंसारी ग्राम-दुधानी, थाना-नगर जिला-दुमका।
2.प्रथम पक्ष- कलशी देवी, पति अशोक मंडल, सा०-सरलाबाद, जिला-दुमका थाना-जामा,
दितीय पक्ष-अशोक मंडल, पिता-स्व० मंगरू मंडल सा०-सरलाबाद, जिला-दुमका थाना-जामा,
3. प्रथम पक्ष- नीलम देवी, पिता-मंगल मंडल, साकिन-कसाठी, थाना-देवीपुर जिला-देवघर
दितीय पक्ष- राजेन्द्र मंडल, पिता-हराधन मंडल, सा०-कुसुमडीह, थाना-मुफफासिल दुमका, जिला-दुमका।
4. प्रथम पक्ष- पार्वती मुर्मू, पे०-स्व० लाल मुर्मु, पता-तेलियाचक, थाना-दिग्धी ओ०पी०, जिला-दुमका
दितीय पक्ष- श्रीतलाल सेवाली, पे०-सनल सेवाली, पता-हाथडुबा, थाना-तालझारी जिला-दुमका।
5. प्रथम पक्ष- माधुरी रूज, पिता-स्वपन रूज, पता-नीमटोला, जिला-पाकुड़ थाना-हिरणपुर,
दितीय पक्ष- कार्तिक चन्द्र, पिता-श्री विजय चन्द्र. पता-कुशडीहा, थाना-रामगढ़,जिला-दुमका
6.प्रथम पक्ष- कलशा मिर्धा, पिता-चुन्ना मिर्धा, पता-बगदाहा, जिला-देवघर थाना-सारठ,
दितीय पक्ष- सुनिता देवी, पिता-स्व० लाबिन मिर्धा, थाना-जरमुण्डी, पता-करारी, जिला-दुमका
7. प्रथम पक्ष- मनीषा कुमारी, पिता-चन्दन गोस्वामी, पता-लखीकुण्डी, थाना-मुफफासिल दुमका, जिला-दुमका।
दितीय पक्ष- राजीव पाण्डेय, पिता-जयनरायण पाण्डेय, पता-जामदली, थाना-मुफफासिल दुमका, जिला-दुमका।
8. प्रथम पक्ष- वहीदा बीबी, पिता फारूख अंसारी, पता - रक्शाकिटा, थाना-महगामा, जिला गोड्डा,
द्वितीय पक्ष - शकील अंसारी, पिता हजरत अंसारी, पता मोहनपुर, थाना-महगामा, जिला गोड्डा।

भव्य महायज्ञ मेला में लोग भंडारा प्रसाद कर रहे हैं ग्रहण

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर समीप आयोजित 11 कुंडिय श्री श्री 1008 लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पांचवे दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से संत महात्मा साधु संत ओर नागा साधु का आगमन हुआ। पांचवे दिन सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 21 सदस्य पुरोहित ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 करोड़ देवी देवताओं का आह्वाहन करके पूजन व हवन शुरू किया। वही शहर, जिला के सभी प्रखंड सहित जिला के आसपास के सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचकर यज्ञ मंडप परिक्रमा करके देवी देवताओं का पूजन व साधु संत महात्मा का आशीर्वाद लेकर भव्य महायज्ञ मेला का आनंद लेकर भंडारा प्रसाद ग्रहण कर रहे है। वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु महायज्ञ में कथा रासलीला प्रसाद मेला का आनंद उठा रहे है। यह समिति के सदस्य अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष पूरी तरह से सुरक्षा की दृष्टि से घूमते नजर आ रहे हैं की किसी प्रकार की घटना ना हो सके।

पेपर लीक मामले में भाजपा ने किया विरुद्ध विरोध-प्रदर्शन

संवाददाता

दुमका : झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में हुए पेपर लीक जैसे गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी, दुमका के तत्वावधान में रविवार को टीन बाजार चौक,दुमका में भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में हेमंत सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली और पेपर लीक की घटनाएं राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है और अब उनकी मेहनत पर भी पानी फेरा जा रहा है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

इस अवसर पर रूपेश मंडल, गौरव कांत, मृणाल मिश्रा, मनोज साह, पिंटू अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंह, नीतू झा, गायात्री जायसवाल, अजय गुप्ता ओम केशरी, दिनेश सिंह, श्रीधर दास, किशोरेंद्र दास, रामोतार भालोटिया, अजय वर्मा, सोनी हेम्ब्रम, मनीष सिंह, अजय राउत, विक्की पाठक, नरेश मंडल, सुदीप राउत, संतोष सोरेन, योगेश कुमार, शशांक शेखर भुई, संजीत भगत, अभिजीत मुखर्जी, गोपाल मंडल, काठी दास, रामकृष्ण हेम्ब्रम, अनुज केशरी, आनंद कुमार, दीप्तांशु कोचगेवे सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' बेहद खास और शानदार अनुभव देने वाला रहा। शुभांगी ने बताया कि फिल्म से उनके किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपनी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में अंगूरी भाभी के किरदार को तैयार करने के बारे में खुलकर बात की है। शुभांगी ने बताया कि उन्होंने अपने इस पसंदीदा किरदार को कैसे निभाया और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए क्या ख्याल रखा। शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं!' टीवी सीरीज में अंगूरी भाभी के रोल के लिए खासा लोकप्रिय हैं। अब इसी किरदार के साथ वे बड़े पर्दे पर भी आ चुकी हैं।

'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला : शुभांगी अत्रे

फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' पर आधारित है, लेकिन इसमें नई कहानी, नई जगहें और नया रोमांच है। जब शुभांगी से पूछा गया कि टीवी शो से फिल्म में आने के बाद उनके अभिनय के तरीके में कोई बदलाव आया या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा, 'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।' उन्होंने बताया कि किरदार के प्रति पूरी ईमानदारी बनाए रखना सबसे जरूरी था। दर्शक पिछले दस साल से अंगूरी भाभी को जिस तरह पसंद करते आ रहे हैं, उसी तरह उसे निभाना था। शुभांगी ने कहा, 'लोग आपको इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि आप उस किरदार को ठीक उसी तरह निभाते हैं, जैसा वे चाहते हैं। फिर भी फिल्म में नई स्थितियां और नई कहानी के कारण किरदार को थोड़ा नया आयाम मिला है, जिसे एक्सप्लोर करना बहुत रोमांचक रहा। अभिनेत्री के अनुसार, अंगूरी भाभी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह बेहद सरल, मासूम और हंसाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि दस साल तक दर्शकों का इतना प्यार मिलना किसी भी शो के लिए बड़ी बात है। अब वही प्यारे किरदार बड़े पर्दे पर नई कहानी, खूबसूरत लोकेशन्स और शानदार कलाकारों के साथ नजर आ रहे हैं और नए अंदाज में दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहे हैं। शुभांगी ने फिल्म को पूरी तरह मनोरंजन से भरपूर बताया। उन्होंने दर्शकों से अपील की, 'यह फिल्म हंसी और मजे से भरी हुई है। आप इसे एक बार में पूरा आनंद ले सकते हैं। इसलिए इसे जरूर देखें, खूब हंसें, मजे करें और प्यार बांटें।

हीरो हो तो अल्लू अर्जुन जैसा

फैंस की खातिर एक झटके में ठुकरा दिए थे 10 करोड़ रुपये

फ्लावर नहीं, फायर हूं मैं... साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपनी पिछली 2 फिल्मों से साबित तो कर दिया है कि वो 'फायर' ही हैं. और अब बड़ी वापसी के लिए उससे भी तगड़ी तैयारी कर रहे हैं. अल्लू अर्जुन अपने फैन्स को ध्यान में रखते हुए ही कोई भी कदम उठाते हैं, क्योंकि फैन्स भी एक्टर को हर तरह फॉलो करते रहे हैं. एक्टर को लेकर एक ऐसा ही दिलचस्प किस्सा वायरल है, जब उन्होंने फैन्स के खातिर एक झटके में 10 करोड़ रुपये ठुकरा दिए थे. अल्लू अर्जुन ने अपने अभिनय से न सिर्फ फैन्स का दिल जीता, बल्कि उन तमाम चीजों का ध्यान रखा, जो उनके फैन्स से जुड़ी रहीं.

आखिरी वक्त पर

आमिर ने बदल दिया 'एक दिन' का क्लाइमैक्स, मंसूर खान ने खोले सारे राज

बॉलीवुड एक्टर जुनैद खान और एक्ट्रेस साई पल्लवी की अपकमिंग फिल्म एक दिन को लेकर फैंस एक्साइटेड हैं. दोनों ही सितारें एक साथ पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं. इसी बीच आमिर खान ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म का क्लाइमैक्स दो बार लिखा था.

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपने अगले प्रॉजेक्ट को लेकर खासी चर्चा में हैं. जुनैद और एक्ट्रेस साई पल्लवी की फिल्म एक दिन जल्द ही थिएटर्स में दस्तक देने वाली है. दोनों की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ काम करती नजर आएगी. जुनैद और साई की फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है और फिल्म देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं. इस फिल्म को आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है. आमिर के साथ उनके कसन भाई मंसूर खान भी इस फिल्म में को प्रोड्यूसर हैं. हाल ही में मंसूर ने फिल्म के बारे में बात की और बताया कि उनके और आमिर के बीच फिल्म को लेकर कोई क्रिएटिव डिफरेंस आए या नहीं. साथ ही मंसूर ने ये भी बताया कि फिल्म के क्लाइमैक्स को आमिर ने बदल दिया.

ओवर द टॉप जाना पसंद नहीं करता

मंसूर ने एक मीडिया हाउस संग बातचीत में बताया- 'मैं ज्यादा फिल्में नहीं देखता, लेकिन फिल्मों को लेकर मेरी समझ वैसी की वैसी ही है. मैं कुछ सींस में ओवर द टॉप जाना पसंद नहीं करता. जो मैं फील करता हूं, वो बता दूंगा. मंसूर ने बताया कि एक दिन के एक गाने में उनकी और आमिर की सोच मिल नहीं रही थी. दोनों ही गाने में लड़की रो रही है, और आमिर चाहते थे कि एक गाने में उसे लड़के के लिए अपने प्यार का अहसास हो. लेकिन मैं जानता था कि सुनील के दिमाग में क्या है और ऐसे में मैंने आमिर को समझाया. आमिर ने मजाक में कहा- 'तुम दोनों ने गड़बड़ की तो वापस जापान भेज दूंगा. लेकिन फाइनल एडिट में उन्हें वो पसंद आया.'

अक्षरा ने सुनाया भोजपुरी रैप

➢ वीडियो शेयर कर कहा- थोड़ा स्वैग थोड़ा फायर, बाकी सब ऑटोमैटिक

अक्षरा सिंह ने भोजपुरी में अपना रैप वीडियो शेयर किया है, जिसपर उन्हें खूब सारी तारीफें मिल रही हैं। अक्षरा कार के बोनट पर बैठकर थोड़ा रैप गाती और थोड़ा स्वैग दिखाती नजर आ रही हैं।

अक्षरा सिंह ने भोजपुरी में एक मजेदार रैप गाया है। अपना ये वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया इंस्टागराम पर शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षरा कार के बोनट पर बैठकर थोड़ा रैप गाती और थोड़ा स्वैग दिखाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो पर उन्हें फैन्स से भरकर तारीफें मिल रही हैं। यहां बता दें कि भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह का नया गाना 'चुम्मा लेला राजा जी' हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे लोगों ने काफी पसंद भी किया। अब अक्षरा को रैप गाते देखकर लोगों ने उनकी जमकर तारीफ की है। एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर कर लिखा है, 'थोड़ा स्वैग थोड़ा फायर, बाकी सब ऑटोमैटिक।'

लोगों ने की है अक्षरा सिंह की तारीफ

इस वीडियो में कार से नीचे उतरकर भी अक्षरा अपने अंदाज में रैप करती दिख रही हैं। लोगों ने उनकी तारीफ करते हुए कहा है, 'भोजपुरी इंडस्ट्री को अक्षरा बॉलीवुड के टक्कर में ला रही हैं। एक और ने कहा- ये है अक्षरा वाली स्वैग, जिसके सामने सब फीका हो जाता है।

नए गाने 'चुम्मा लेला राजा जी' का वीडियो शेयर किया

बता दें कि हाल ही में अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपने नए गाने 'चुम्मा लेला राजा जी' का वीडियो शेयर किया था। गाने की सफलता के पीछे सिर्फ म्यूजिक और लिरिक्स ही नहीं, बल्कि अक्षरा सिंह की मेहनत और परफॉर्मेंस भी एक बड़ी वजह है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में अक्षरा ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, जुऐरिया फर्डौस नया चेहरा

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में 20 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जुऐरिया फर्डौस को पहली बार शामिल किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में दाएं हाथ की बल्लेबाज शर्मीन सुल्ताना की सात साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जिससे टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव मिलेगा। टीम की कप्तानी निगार सुल्ताना जोटी के हाथों में होगी, जबकि नाहिदा अख्तर उपकप्तान रहेंगी। जुऐरिया फर्डौस अब तक बांग्लादेश के लिए सात अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं और इस एकदिवसीय टीम में शामिल एकमात्र नई खिलाड़ी हैं। उनका चयन यह संकेत देता है कि चयनकर्ता आगामी व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं।

श्रीलंका की टीम 17 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीधे राजशाही जाएगी, जहां वनडे सीरीज का आयोजन होगा। दोनों टीमें सीरीज से पहले दो दिन अभ्यास करेंगी। तीन मैचों की यह श्रृंखला 20, 22 और 25 अप्रैल को राजशाही डिवीजनल स्टेडियम में खेली जाएगी। सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से दौरा सिलहट में होगा, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। श्रीलंका की टीम 3 मई को दौरा समाप्त कर वापस लौटेगी।

बांग्लादेश एकदिवसीय टीम:

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), फरजाना हक, शोभना मोस्टरी, फहीमा खातून, शारमिन अख्तर सुप्ता, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, राबेया खान, शर्मिन सुल्ताना, मरुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, शांजिदा अख्तर माघला, जुऐरिया फर्डौस।

रजनीकांत की 'जेलर 2' में

नहीं होगा शाहरुख का कैमियो

शाहरुख खान ने रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की टीम के सामने एक ऐसी शर्त रख दी है, जिसकी वजह से अब इस फिल्म में उनका कैमियो नहीं हो पाएगा. फैंस दोनों स्टार्स को एक फिल्म में देखने के लिए एक्साइटेड थे. लंबे समय से ऐसी चर्चा चल रही थी कि शाहरुख खान सुपरस्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' में कैमियो करने वाले हैं. ऐसी खबरें थीं कि वो पुलिस वाले के रोल में नजर आएंगे और पांच दिनों तक इसकी शूटिंग करेंगे. हालांकि, अब ऐसी खबर है कि अपनी फिल्म 'किंग' की वजह से वो रजनीकांत की फिल्म में कैमियो नहीं कर पाएंगे. दरअसल, उन्होंने 'जेलर 2' की टीम के सामने एक ऐसी शर्त रखी, जो प्लान के हिसाब से मुमकिन नहीं है. ऐसे में शाहरुख ने प्यार से रजनीकांत से कैमियो करने के लिए मना कर दिया. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो दोनों भविष्य में जरूर साथ में काम करेंगे. एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया, ''जेलर 2' के मेकर्स कैमियो रोल के लिए पांच दिनों की शूटिंग के लिए शाहरुख खान को लेना चाहते थे. शाहरुख भी इसके लिए तैयार थे. हालांकि, फिलहाल उनका पूरा फोकस अपनी फिल्म 'किंग' पर है. ये फिल्म उनके लिए काफी खास है, क्योंकि इसके जरिए वो अपनी बेटी सुहाना को सिल्वर स्क्रीन पर लॉन्च कर रहे हैं. 'जेलर 2' की टीम के साथ बातचीत में शाहरुख ने कैमियो करने की इच्छा जाहिर की. साथ ही उन्होंने ये भी अनुरोध किया कि 'जेलर 2' को 'किंग' के बाद रिलीज किया जाए, क्योंकि वो नहीं चाहते कि 'किंग' में उनका जो लुक है वो रिवील हो जाए. '

आईपीएल 2026: रदरफोर्ड की नाबाद 71 रन की पारी बेकार, आरसीबी ने मुंबई को 18 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई : आईपीएल 2026 के एक हाई-स्कोरिंग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 18 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी की संतुलित गेंदबाजी ने मुंबई के बड़े लक्ष्य के पीछा करने के प्रयास को रोक दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 240/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से फिल साल्ट ने 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि रजत पाटीदार ने 53 रन बनाए। इसके अलावा विराट कोहली ने भी अर्धशतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 241 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरूआत अच्छी रही। रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ने टीम को तेज शुरूआत दिलाई और पावरप्ले में 62 रन जोड़े। हालांकि, छठे ओवर में रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए, जो टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। मध्यक्रम में शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए और मैच को रोमांचक बना दिया। उन्होंने मिचेल सेंटनर के साथ 68 रनों की साझेदारी भी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आरसीबी की ओर से क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने कसी हुई गेंदबाजी कर मुंबई को 20 ओवर में 222/5 पर रोक दिया। इस जीत के साथ आरसीबी ने चार मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की और 6 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, मुंबई इंडियंस को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है।

पटना-पुणे एक्सप्रेस से मुस्लिम बच्चों की तस्करी मामले में आठ तस्कर गिरफ्तार

बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर ले जाए जा रहे 165 बच्चों को मप्र के कटनी में किया गया रेस्क्यू

एजेंसी

कटनी : मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात पटना-पुणे एक्सप्रेस से 165 मुस्लिम बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। इन्हें संदिग्ध हालात में बिहार के अररिया से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने सद्दाम हुसैन और अमानुल्लाह समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ बच्चों की तस्करी (बीएनएस की धारा 143) के तहत केस दर्ज किया है। रेस्क्यू किए गए 165 में से 84 बच्चों को रात में ही दो बसों से जबलपुर के बाल गृह भेज दिया गया था, जबकि 81 बच्चों को कटनी के बाल गृह में रखा गया है। जिला प्रशासन सभी बच्चों के खाने-पीने और स्वास्थ्य की व्यवस्था कर रहा है। सभी का मेडिकल कराया गया है। दरअसल, शनिवार देर रात को महिला बाल विकास विभाग और आरपीएफ को सामाजिक संगठन से सूचना मिली कि पटना-पुणे ट्रेन से बड़ी संख्या में 7 से 15 वर्ष के बच्चों को महाराष्ट्र ले जाया रहा है और मानव तस्करी की आशंका है। मामला की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपीएफ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी और बाल सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। जैसे ही ट्रेन रात में कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर पहुंची, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की टीम ने बोगियों को घेर लिया और सभी 165 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारकर अपनी निगरानी में लिया। इसके बाद सभी बच्चों की काउंसलिंग की गई। कटनी आरपीएफ थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि जानकारी मिली थी कि पटना-पुणे एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में बच्चों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाया जा रहा है। ट्रेन के कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंचते ही आरपीएफ, जीआरपी, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की संयुक्त टीम ने उसकी घेराबंदी कर ली। इसके बाद टीम ने बोगियों से सभी 167 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा। रेस्क्यू किए गए बच्चे ट्रेन के एस-1, एस-2, एस-3, एस-4 और एस-7 कोच में सवार थे। पूछताछ में सामने आया है कि अधिकांश बच्चे बिहार के रहने वाले हैं।

आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इन बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर स्थित मदरसे ले जा रहा था। उसके साथ 100 बच्चों का ग्रुप है, जबकि बाकी बच्चों को अन्य लोग लेकर जा रहे थे। खुद को लातूर मदरसे का शिक्षक बताने वाले सद्दाम का दावा है कि वह 10 साल से बच्चों को वहां ले जा रहा है। उनके मदरसे में हर विषय की शिक्षा दी जाती है। प्रशासन मामले की सच्चाई और कानूनी दस्तावेजों की जांच की। दिनभर चली जांच के बाद पुलिस ने सद्दाम हुसैन और अमानुल्लाह समेत आठ लोगों के खिलाफ बच्चों की तस्करी का केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। बाल सुरक्षा अधिकारी मनीष तिवारी ने बताया कि ट्रेन से उतारे गए बच्चों में अधिकांश मुस्लिम समुदाय के हैं। विभाग को इन बच्चों से महाराष्ट्र ले जाकर मजदूरी या अन्य गैर-कानूनी काम कराए जाने की जानकारी मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी बच्चों को आरपीएफ थाने ले जाया गया है, जहां उनकी काउंसलिंग की गई। बच्चों के पास यात्रा से संबंधित वैध दस्तावेज और पुख्ता टिकट नहीं मिले, जिससे मामला संदिग्ध हो गया।

मध्य प्रदेश में गर्मी का कहर शुरू, 16 अप्रैल से लू का अलर्ट, कई शहरों में पारा 40 डिग्री पार

एजेंसी

भोपाल : आंधी और बारिश का दौर खत्म होते ही मध्य प्रदेश में गर्मी ने तेजी से अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। बीते रविवार को प्रदेश के 5 शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा तापमान रतलाम में 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी। 16 अप्रैल से प्रदेश में हीट वेव यानी लू चलने की संभावना है। खासतौर पर मालवा-निमाड़ क्षेत्र, जिसमें इंदौर और उज्जैन संभाग शामिल हैं, सबसे ज्यादा गर्म रहने वाले हैं। रविवार को भी इन इलाकों में तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। अन्य शहरों की बात करें तो खजुराहो में 40.4 डिग्री, धार, मंडला और नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। दमोह, रीवा और टीकमगढ़ में 39.5 डिग्री, जबकि खरगोन में 39.2 डिग्री रहा। रायसेन, छिंदवाड़ा, उमरिया, सतना और मलाजखंड में तापमान 39 डिग्री के आसपास रहा। इसके अलावा बैतूल और सागर में 38.8 डिग्री, गुना और शाजापुर में 38.4 डिग्री, नौगांव में 38.2 डिग्री, खंडवा में 38.1 डिग्री तथा सिवनी और सीधी में 38 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के बड़े शहरों में इंदौर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 39.2 डिग्री पहुंचा। भोपाल में 38.6 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री, जबलपुर में 38.7 डिग्री और ग्वालियर में 36.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि 15 अप्रैल से एक नया वेदर सिस्टम सक्रिय होगा, लेकिन इसका असर कमजोर रहेगा। ऐसे में प्रदेश में गर्मी का दौर जारी रहेगा और तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 16 अप्रैल से धार, खरगोन, खंडवा, सीधी और सिंगरौली जैसे जिलों में लू चल सकती है। आमतौर पर अप्रैल और मई को प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्मी वाले महीने माना जाता है और अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से तापमान में तेजी से इजाफा होता है।

हलफनामे से उभरी भाजपा उम्मीदवार भास्कर भट्टाचार्य की सादगी

हुगली : विधानसभा चुनाव के बीच श्रीरामपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार भास्कर भट्टाचार्य का चुनावी हलफनामा सामने आया है, जिसने उनकी सादगी, पारदर्शिता और संतुलित जीवनशैली को उजागर किया है। श्रीरामपुर से गहरा जुड़ाव रखने वाले भट्टाचार्य एक अनुभवी अधिवक्ता और कॉर्पोरेट पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार के रूप में पहचाने जाते हैं।

भास्कर भट्टाचार्य की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी दमदार है। उन्होंने श्रीरामपुर कॉलेज से बी.कॉम (ऑनर्स), सुरेंद्र नाथ लॉ कॉलेज से एलएलबी और कोलकाता से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनका अनुभव उनके प्रशासनिक कौशल को भी दर्शाता है। हलफनामे के अनुसार, उनकी आय में पिछले कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखा गया है, लेकिन समग्र रूप से उनकी आर्थिक स्थिति स्थिर रही है। वर्ष 2020-21 में करीब 3 लाख रुपये की आय 2023-24 में बढ़कर लगभग 19.5 लाख रुपये तक पहुंची, जबकि 2024-25 में यह घटकर करीब 16 लाख रुपये रह गई। उनकी पत्नी सुपर्णा भट्टाचार्य की आय सीमित है, जो एक सामान्य मध्यमवर्गीय पारिवारिक पृष्ठभूमि को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री साय आज सुकमा और रायपुर जिले के दौरे पर

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सोमवार को सुकमा और रायपुर में आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दिनभर के दौरे में वे स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और उद्योग से जुड़े कई परियोजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री सायआज 11.30 बजे सुकमा के लिए रवाना होंगे, यहां वे अटल आरोग्य लैब का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे जिला पुनर्वास केंद्र, साइंस पार्क और इमली प्रसंस्करण केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। साइंस पार्क में वीआर लैब और एसटीईएम लैब का उद्घाटन करने के साथ ही नालंदा परिसर भवन निर्माण का भूमिपूजन भी करेंगे। वहीं, इमली प्रसंस्करण यूनिट का शुभारंभ कर स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देंगे। इसके बाद दोपहर 2:20 बजे मिनी स्टेडियम सुकमा में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया जाएगा। सुकमा दौरे के बाद मुख्यमंत्री शाम 4:35 बजे नवा रायपुर लौटेंगे और आईआईटी नवा रायपुर में आयोजित मेरा भारत बजट क्वेस्ट 2026 के समापन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद शाम 5:45 बजे रायपुर के लभाण्डी क्षेत्र में पटनी टोयोटा के ग्रैंड लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेंगे। दिनभर के व्यस्त कार्यक्रमों के बाद मुख्यमंत्री शाम 6:45 बजे वापस मुख्यमंत्री निवास पहुंचेंगे।

सरकार ने पांच किग्रा के एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाई, पीएनजी का विस्तार तेज किया: पेट्रोलिय मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने पांच किलोग्राम के छोटे एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ा दी है। साथ ही पाइप से मुहैया कराई जाने वाली नेचुरल गैस (पीएनजी) के कनेक्शन का विस्तार तेज कर दिया है। वहीं, घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध जारी है, जबकि बीते कल 52.3 लाख से ज्यादा घरेलू सिलेंडरों का वितरण किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि 23 मार्च से अब तक पांच किलोग्राम के 13 लाख से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की गई है, जबकि इनकी दैनिक बिक्री एक लाख से अधिक हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम प्रवासी श्रमिकों और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने औचक निरीक्षण तेज किए, 219 एलपीजी वितरकों पर जुमार्ना लगाया गया, जबकि 56 की डिस्ट्रीब्यूटरशिप निलंबित किए गए हैं। मार्च 2026 से अब तक 4.24 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन जारी किया गया, जबकि 4.66 लाख से ज्यादा नए ग्राहकों ने पंजीकरण कराया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि देशभर में बंदरगाहों का परिचालन सामान्य है, कहीं से भी भीड़-भाड़ की सूचना नहीं है। साथ ही इस क्षेत्र में मौजूद भारतीय समुदाय की सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए प्रयास तेज किए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र से लगभग 8.97 लाख यात्रियों का भारत आगमन हुआ। मंत्रालय ने कहा कि इसी अवधि में 4.24 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 30,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन वापस कर पीएनजी को अपनाया है। मंत्रालय ने कहा कि संकट से पहले फरवरी में जहां रोजाना लगभग 77,000 सिलेंडर बिक रहे थे, वहीं पिछले दो-तीन सप्ताह में यह संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है और कहीं भी कमी की सूचना नहीं है। 11 अप्रैल को 52 लाख से अधिक सिलेंडर वितरित किए गए। इसमें मांग का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हो रहा है, जबकि वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 93 फीसदी लेन-देन में सत्यापन प्रणाली लागू की गई है। मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्यिक एलपीजी की उपलब्धता भी अब संकट-पूर्व स्तर के करीब 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड राज्य सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति को सुचारु बना रही हैं। पेट्रोलयिम मंत्रालय रने कहा कि तेल रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे

ट्रंप की चीन को चेतावनी- ईरान को हथियार दिए तो लगेगा 50% टैरिफ

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह ईरान को सैन्य सहायता देता है, तो उस पर भारी आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में चीन के सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि उन्हें ऐसी रिपोर्ट्स मिली है कि चीन ह्लशोल्डर-फायर्ड एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टमह्व यानी एमएएनपीएडीएस ईरान को देने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें उम्मीद है कि चीन ऐसा कदम नहीं उठाएगा, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संकेत मिले हैं कि चीन आने वाले हफ्तों में ईरान को नई एयर डिफेंस प्रणाली उपलब्ध करा सकता है। हालांकि, वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसने कभी भी इस संघर्ष में किसी भी पक्ष को हथियार उपलब्ध नहीं कराए हैं। साथ ही अमेरिका से अपील की गई कि वह बिना आधार के आरोप लगाने और माहौल को भड़काने से बचे। ट्रंप ने कहा, ह्लअगर हम उन्हें ऐसा करते हुए पकड़ते हैं, तो 50% टैरिफ लगाया जाएगा, जो बहुत बड़ा कदम होगा।ह्व उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर शुरूआत में कोई सीमित मदद हुई भी हो, तो अब ऐसा दोबारा होने की संभावना कम है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अगले महीने चीन की यात्रा पर जा सकते हैं, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग से प्रस्तावित है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : अमेरिका और इजरायल के बीच शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अमेरिकी और यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन अब शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण बाजार ग्लोबल मार्केट में दबाव बन गया है। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता को लेकर बने सस्पेंस के बीच अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,816.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.35 प्रतिशत उछल कर 22,902.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि अब शांति वार्ता के विफल हो जाने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 344.57 अंक यानी 0.72 प्रतिशत टूट कर 47,570 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 10,600.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 23,803.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,259.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता के विफल हो जाने के कारण एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर दबाव बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। थाईलैंड स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में आज कोई हलचल नहीं हो रही है। एशियाई बाजार में इकलौता ताइवान वेटेड इंडेक्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 35,428.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 442.50 अंक यानी 1.84 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 23,649 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 74.50 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,784.37 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स में भी आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 594.11 अंक यानी 1.04 प्रतिशत फिसल कर 56,330 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 261.54 अंक यानी 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 25,632 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,969.78 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,979.26 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत टूट कर 7,453.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रेम प्रसंग में दोस्तों ने युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

बलिया : उतर प्रदेश में बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र स्थित सोहांव में रविवार देरशाम बिहार के बक्सर जिले के एक युवक को उसके ही दो दोस्तों ने गोली मार दी। घायल युवक को पहले जिला अस्पताल, फिर वहां से ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। घायल युवक से पूछताछ के आधार पर पुलिस इसे प्रेम प्रसंग में हुई घटना बता रही है। नरही थाना क्षेत्र के सोहांव में बक्सर के चौसा में रहने वाले आर्यन यादव पर उसके ही दोस्त बम और बबलू यादव ने गोली चला दी। चार राउंड गोली मारने के बाद आर्यन को तड़पता छोड़ दोनों वहां से उसकी मोटर साइकिल लेकर फरार हो गए। गोली आर्यन के पीठ और पैर में लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और उसे नरही सीएचसी पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर देख जिला अस्पताल भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक कृपाशंकर भी तत्काल अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को खतरे से बाहर बताया है। प्रथम द्दष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा लग रहा है। घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात है और मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

केन्द्रीयमंत्री गडकरी आज मप्र के प्रवास पर, रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव में होंगे शामिल

भोपाल : केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी आज मध्य प्रदेश के एकदिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। वे यहां रायसेन में आयोजित राष्ट्रीय उन्नत कृषि महोत्सव 2026 प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी अनुभा सिंह ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री गडकरी दोपहर दो बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 02.20 बजे रायसेन स्थित दशहरा मैदान पहुचेंगे तथा यहां राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना की समीक्षा करेंगे। इसके उपरांत उन्नत कृषि महोत्सव प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण में सम्मिलित होंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी शाम 05.10 बजे रायसेन से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

दिल्ली में आज नारी शक्ति वंदन सम्मेलन, मप्र में होगा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

भोपाल : केन्द्र सरकार द्वारा आज सोमवार (13 अप्रैल) सुबह 11:00 बजे से नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का मध्य प्रदेश के सभी जिलों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव हृदयेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस सम्मेलन में पूरे देश की जानी-मानी हस्तियाँ शामिल होंगी, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिला हस्तियाँ जैसे झ महिला उद्यमी, नीति-निमार्ता, शिक्षाविद्, डॉक्टर, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, स्टार्टअप लीडर, मीडिया पेशेवर, समाज सेवक तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र की प्रमुख प्रतिनिधियाँ शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक यह कार्यक्रम सीधा प्रसारित किया जाएगा। उप सचिव श्रीवास्तव ने सभी जिला पंचायत सीईओ को कार्यक्रम में भागीदारी के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, महिला पंचायत प्रतिनिधियों, महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आम जनता को इस कार्यक्रम से जोड़ने हेतु विशेष प्रयास किए जाएँ। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर भी किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति/समूह ग्राम पंचायत स्तर तक आसानी से जुड़ सकें, इसके लिए वेबकास्ट लिंक भी उपलब्ध कराया गया है: ँ३३स्र२://स्रेल्लर्ंद्धीं२३.ल्लू.ल्ल/

सरकारी कर्मियों ने दी 21 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मुंबई : महाराष्ट्र के सरकारी कर्मचारी ने 21 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। यदि यह हड़ताल होती है तो स्कूल ,स्वास्थ्य सहित सरकारी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। पुरानी पेंशन योजना सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकारी, अर्ध-सरकारी, शिक्षक, कर्मचारियों ने फिर आवाज मुखर की है। राज्य सरकार, अर्ध- सरकारी कर्मचारियों, प्रिंसिपल व टीचर्स एसोसिएशन की संयुक्त कमेटी ने हड़ताल की चेतावनी दी है। दावा किया गया है कि इस हड़ताल में राज्य के करीब 17 लाख कर्मचारी शामिल होंगे। उनकी प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना को तुरंत लागू करना, सामाजिक सुरक्षा, बकाए का भुगतान, सितंबर 2023 के जीआर को लागू करना आदि मांगें हैं। संयुक्त समिति के रावसाहेब निमसे और कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष तालेकर ने इस हड़ताल को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि हड़ताल को सफल बनाने और जागरूकता फैलाने के लिए तहसील स्तर के दौरे शुरू कर दिए गए हैं।

शिल्पांचल में अवैध वसूली नेटवर्क सक्रिय, ईडी जांच में चौंकाने वाले खुलासे

आसनसोल : पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर-आसनसोल कोयला क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय अवैध वसूली के विशाल नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता इकाई ने इस मामले में नौ अप्रैल 2026 को विशेष पीएमएलए अदालत में चिनमय मंडल, किरण खान समेत पांच आरोपितों के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल कर दी है, जिससे पूरे कोयला सिंडिकेट की परतें खुलने लगी हैं। जांच की जड़ें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसीएल), सीआइएसएफ और स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज 54 एफआइआर से जुड़ी हैं। ईडी के मुताबिक, इन एफआइआर के आधार पर सामने आया कि क्षेत्र में एक संगठित गिरोह वर्षों से वैध कोयला कारोबार की आड़ में जबरन वसूली चला रहा था। यह नेटवर्क कोयला खरीदारों और ट्रांसपोर्टरों से 275 से डेढ़ हजार रुपये प्रति टन तक वसूली करता था, जिसे स्थानीय स्तर पर जीटी यानी ह्यगुंडा टैक्सह्ण कहा जाता था।ईडी का दावा है कि पिछले पांच वर्षों में इस अवैध वसूली के जरिए 650 करोड़ रुपये से अधिक की काली कमाई की गई। इस रकम को छिपाने के लिए ह्यहैंडलिंग चार्जह्ण और ह्यडोनेशनह्ण जैसे नामों का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे अवैध लेन-देन को वैध दिखाया जा सके। जांच के दौरान नवंबर 2025 और फरवरी 2026 में की गई छापेमारी में 17.57 करोड़ रुपये की नकदी, बैंक बैलेंस और कीमती सामान जब्त किए गए, जबकि बड़ी मात्रा में कोयला और कोक भी बरामद हुआ। डिजिटल डिवाइस, व्हाट्सएप चैट और वसूली से जुड़े दस्तावेजों ने इस पूरे सिंडिकेट के संगठित और तकनीकी ढांचे की पुष्टि की है। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि काली कमाई को सफेद बनाने के लिए कई फर्जी कंपनियों का सहारा लिया गया। साथ ही, अवैध कोयला परिवहन को बिना बाधा जारी रखने के लिए कुछ अधिकारियों और स्थानीय राजनीतिक तत्वों को रिश्वत दिए जाने के संकेत भी मिले हैं। इस मामले में मुख्य आरोपित चिनमय मंडल और किरण खान को नौ फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया और वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी का कहना है कि जांच अभी जारी है और आने वाले समय में इस मामले में और बड़े नामों के सामने आने की संभावना है।

न्यूज IN ब्रीफ

जहरीला पदार्थ सेवन से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पलामूः जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के मोनाहा गांव निवासी 45 वर्षीय शिवनाथ परहिया की जहरीला पदार्थ सेवन करने से मौत हो गई। बताया जाता है कि वह मानसिक तनाव में थे और बीती रात घर में अकेले होने के दौरान उन्होंने यह कदम उठा लिया।

परिजन खेत से गेहूं काटकर लौटे तो उनकी हालत गंभीर देख तुरंत छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

टीएमएच में पीड़िता से इलाज शुल्क मांगना गैरकानूनी : अधिवक्ता

जमशेदपुर : बिष्टूपुर थाना क्षेत्र में चाय फेंकने से घायल पीड़िता मेहंदी के इलाज के लिए टीएमएच प्रबंधन द्वारा पैसे मांगे जाने को वरीय अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने गैरकानूनी बताया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 397 तथा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357सी के तहत ज्वलनशील पदार्थ से घायल पीड़ित का इलाज निशुल्क होना चाहिए। उन्होंने उपायुक्त से मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

सोनारी तरुण संघ का स्थापना दिवस व नववर्ष उत्सव 15 को

जमशेदपुर : सोनारी तरुण संघ द्वारा 69वां स्थापना दिवस एवं बंगाली नववर्ष बोशोबोरन 1433 का आयोजन 15 अप्रैल को क्लब परिसर में किया जाएगा। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता व श्रीलेदर्स के पार्टनर शेखर डे मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक आयोजन के साथ नववर्ष की शुभकामनाएं साझा की जाएंगी। महासचिव देबब्रत मजूमदार और अध्यक्ष तपन कुमार गुप्ता ने शहरवासियों से शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

ट्रेनों में औचक टिकट जांच से 157 पर जुर्माना

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व जोन रेलवे प्रावधान के खिलाफ यात्रा रोकने के लिए लगातार स्टेशन बदलकर औचक टिकट जांच कराता है। रविवार को टिकट निरीक्षक की टीम ने पांसकुरा, शहीद मातंगिनी हॉल्ट, तामलुक, मेछेदा, संतरागाछी, डोमजुर, बागनान, माजू, मौरीग्राम, नलपुर, फुलेश्वर, जलेश्वर, रूपसा, बस्ता, राधामोहनपुर और अन्य स्टेशनों औचक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बिना टिकट या अनियमित टिकटों के साथ यात्रा करने के कारण 157 लोगों से ₹76 हजार से ज्यादा जुमार्ना वसूला गया।

जीनागोरा एमडीओ लोडिंग प्वाइंट दो साल बाद फिर शुरू

साउथ तिसरो : नॉर्थ तिसरा और जीनागोरा कोलियरी क्षेत्र के मजदूरों के लिए बड़ी खबर है। पिछले लगभग दो वर्षों से बंद पड़ा जीनागोरा एमडीओ लोडिंग प्वाइंट एक बार फिर से चालू हो गया है। झरिया विधायक रागिनी सिंह और धनबाद के महापौर संजीव सिंह के प्रयासों से करीब 500 मजदूरों को दोबारा रोजगार मिल गया है। लोडिंग प्वाइंट के शुरू होने के अवसर पर रविवार को मेयर संजीव सिंह खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद मजदूरों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और विधिवत कार्य की शुरूआत कराई। कहा कि उन्होंने कहा कि लोडिंग प्वाइंट का संचालन मजदूरों के हित में एक बड़ी जीत है।

हमारा लक्ष्य हमेशा से उनकी आजीविका सुरक्षित करना रहा है। मजदूरों के हक के लिए हमारा संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। जेएमएम, कांग्रेस, राजद और जनता मजदूर संघ सहित अन्य संगठनों ने भी इसे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को मजबूती देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस अवसर पर सतीश महतो, विकास महतो, दिलीप सिंह,जगन यादव, मनोज ठाकुर, सुरेन्द्र, इंद्रदेव, बब्लू उदित भुइंया, फूलवा देवी, गीता देवी, पिंटु कुमार सहित दर्जनों मजदूर उपस्थित थे।

सांसद ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

धनबाद : सिंदरी नगर भाजपा कमेटी की ओर से रविवार को शहरपुरा स्थित भाजपा कार्यालय में सम्मान समारोह हुआ। इसमें धनबाद सांसद ढुलू महतो ने सिंदरी के 100 से अधिक वरिष्ठ भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में अजीत सिंह वकील, अशोक शर्मा, रामदेव पांडेय, शैलेश सिंह, प्रकाश बाउरी, विश्वनाथ गोराई, अरविंद खत्री, इंद्रमोहन सिंह, अणिमा सिंह आदि हैं। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेत्री तारा देवी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोहन कुंभकार, नगर अध्यक्ष संजू महतो, गार्गी सिंह आदि थे।

रेल अधिकारियों ने किया क्षतिग्रस्त पाइपलाइन का निरीक्षण

धनबाद : पिछले 18 महीनों से जारी पेयजल संकट को लेकर झामुमो नेता डॉ. विनोद कुमार गोस्वामी और वार्ड पार्षद मधुमाला की पहल पर रविवार को रेलवे इंटेलिजेंस की टीम कतरास पहुंची। अधिकारियों ने राजबाड़ी रोड स्थित क्षतिग्रस्त पाइपलाइन का निरीक्षण किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। डॉ. गोस्वामी ने रेलवे को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो जनता रेल चक्का जाम करेगी। बता दें कि जमुनिया जलापूर्ति योजना बाधित होने से करीब पांच हजार की आबादी प्रभावित है। मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्वास का मार्ग दिखाता है भगवान शिव का उपदेश : मालविका

धनबाद : बलियापुर कुंभकारटोला में आयोजित छः दिवसीय श्रीश्री रामचरितमानस कथा यज्ञ के दूसरे दिन रविवार को कथाव्यास मालविका वैष्णव ने कहा कि भगवान शिव के उपदेश हमें जीवन में श्रद्धा, विश्वास व भक्ति का मार्ग दशार्ती है। कथाव्यास के प्रवचन का प्रारंभ बालकांड के प्रसंगों से हुआ। भगवान शिव-पार्वती संवाद, भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रवचन शुरू होते ही श्रोताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कोनारटांड़ में कुंजभंग के साथ अखंड हरिकीर्तन का समापन : कोनारटांड़ में कुंजभंग के साथ ही तीन दिवसीय अखंड हरिकीर्तन का समापन हुआ। गायिका मीठू दास ने कीर्तन के माध्यम से श्रोताओं को बांधे रखा। निर्मल महतो, विद्याधर महतो, भोलानाथ परामाणिक, शंकर परामाणिक, दिनेश महतो, सुरेश महतो, विजय चौधरी, गौरीनाथ महतो, महावीर महतो, पंसस दिवाकर महतो आदि मौके पर थे।

झारखंड बिजली वितरण निगम का जागरूकता शिविर

धनबाद : झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से रविवार को मुकुंदा कार्यालय में जागरूकता शिविर लगाया गया। सहायक विद्युत अभियंता सुजीत कुमार ने एक-एक कर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनी। शिविर में आए 25 में 10 मामलों का निष्पादन ऑन स्पॉट कर लिया गया। मौके पर विभाग के अन्य कर्मी भी थे।

लम्बाई में पारंपरिक ग्रामसभा आयोजित, सर्वसम्मति से सहायक सचिव व कोषाध्यक्ष का हुआ चुनाव

संवाददाता

जलडेगा/सिमडेगा : प्रखंड जलडेगा अंतर्गत ग्राम लम्बाई में आज दिनांक 12 अप्रैल 2026, दिन रविवार को पेसा नियमावली 2025 के तहत पारंपरिक ग्रामसभा का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम के बुजुर्ग, महिलाएं एवं युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

ग्रामसभा की अध्यक्षता पारंपरिक ग्राम प्रधान जुनास टोपनो ने की। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव संख्या-01 के तहत ग्राम के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने पर विचार किया गया।

प्रस्ताव संख्या-02 के अंतर्गत ग्रामसभा द्वारा सहायक सचिव एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया, ताकि ग्रामसभा के कार्यों का संचालन एवं वित्तीय व्यवस्था बेहतर ढंग से किया जा सके।

प्रस्ताव संख्या-03 में पेसा नियमावली 2025 के अनुसार ग्रामसभा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कम से कम एक-तिहाई (1/3) उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव संख्या-04 के तहत यह निर्णय लिया गया कि पारंपरिक ग्रामसभा लम्बाई की अगली बैठक 18 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी।

प्रस्ताव संख्या-05 के अंतर्गत यह प्रस्ताव पारित किया गया कि आगामी बैठक में पेसा नियमावली 2025 के प्रावधानों के आधार पर विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा, जिससे ग्रामसभा की कार्यप्रणाली और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित हो सके।

इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष सह ढएरअ रछटळ सदस्य अमृत चिराग तिर्की भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि

₹पेसा नियमावली 2025 के माध्यम से ग्रामसभा को सशक्त बनाने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्राम के सभी लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही ग्राम का समग्र विकास संभव है। ग्रामसभा के निर्णय ही गांव की असली ताकत होते हैं और इन्हें पूरी जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाना चाहिए। बैठक शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुई तथा सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने फूंका पुतला

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू को युवाओं में बहुत ही आक्रोश है की प्रदेश के मुख्यमंत्री पलामू की युवाओं के साथ लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर जनमानस में आक्रोश है

अभी तक झारखण्ड में सभी परीक्षाओ में पेपर लीक कर राज्य के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है

विगत दिनों उत्पाद शिपाही के दौड़ में 20 युवाओ का जान झारखण्ड सरकार के गलत रवैया के कारण चला गया था

इन सभी घटनाओं को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (उइक) से जाँच कराने हेतु और

इस गंभीर मुद्दे पर विरोध दर्ज

कराने हेतु भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू के द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर उनके इस्तीफा का माँग करता है मौके पर उपस्थित थे भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश वर्मा, भाजपा के जिला महामंत्री ज्योति पाण्डेय जी,युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री विश्वजीत पाठक जी,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन, जिला उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता जिला मंत्री सोमेश सिंह , मंडल अध्यक्ष सरवन गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि मेदिनीनगर छोटू सिन्हा, पप्पू गुप्ता, शैलेश सिंह, राजकुमार बर्मन, मनोज विश्वकर्मा, राजेश गुप्ता चंद्रकांत सिंह इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. विश्वनाथ ओझा को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के विख्यात चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. विश्वनाथ ओझा के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बिहार-झारखंड प्रदेश सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन (बीपीएसआरए) के तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सभा को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के सचिव नितिन आलोक ने डॉ. ओझा के चिकित्सा क्षेत्र में अतुलनीय योगदान को याद किया ।उन्होंने कहा कि डॉ. ओझा न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि मरीजों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और समर्पण उन्हें समाज में विशेष पहचान दिलाता

था ।उनके निधन से चिकित्सा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ.ओझा का जीवन सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक था ।उन्होंने सीमित संसाधनों में भी मरीजों की सेवा को सर्वोपरि रखा और हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़े रहे। शोक सभा में कोषाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार,केंद्रीय समिति सदस्य नवीन शरण,जयशंकर,कुणाल राणा,देवदास,सुब्रत साहा, आकाश,आशीष,सहजाद आलम,संजीव कुमार सिंह सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे ।सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ.ओझा के व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन किया। सभा के अंत में यह संकल्प लिया गया कि डॉ.ओझा के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी। उनकी स्मृति हमेशा समाज को प्रेरित करती रहेगी।

भारत भवन के सामने लगे गेट को खोला जाए: पवन

संवाददाता

चक्रधरपुर : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडे ने चक्रधरपुर रेल मंडल के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्हें यात्री और जनमानस विरोधी करार दिया है। उन्होंने भारत भवन के सामने रेलवे द्वारा लगाए गए गेट को रात्रि में बंद किए जाने के निर्णय को पूरी तरह अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया है।

मुख्य मांगें और उठाए गए सवालः

यात्रियों और मरीजों की परेशानीः श्री पांडे ने कहा कि भारत भवन के सामने वाला मार्ग रेलवे स्टेशन और रेल अस्पताल जाने का मुख्य रास्ता है। रात्रि में इस गेट को बंद कर देने से गंभीर मरीजों और दूर-दराज से आने वाले यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनहित में इस गेट को 24 घंटे खुला रखा जाना चाहिए।

सुरक्षा के नाम पर भेदभावः रेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा का हवाला दिए जाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि क्या केवल चक्रधरपुर ही असुरक्षित है? मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों जैसे टाटानगर, राउरकेला, मनोहरपुर, राजखरसावां, सीनी, सोनुआ और गोइलकेरा में इस तरह के गेट क्यों नहीं लगाए गए? यदि वहां सुरक्षा का खतरा नहीं है, तो सिर्फ चक्रधरपुर में ही जनता को क्यों परेशान किया जा रहा है?

फ्ळक का उल्लंघन और भ्रष्टाचार के आरोपः पांडे जी ने अधिकारियों को निरंकुश बताते हुए कहा कि विभाग सूचना अधिकार अधिनियम (फ्ळक) का सम्मान नहीं कर रहा है। जानकारी मांगने पर टालमटोल करना सीधे तौर पर बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

रेल मंत्री से हस्तक्षेप की मांगः

श्री पांडे ने रेल मंत्री और वरिष्ठ रेल अधिकारियों से मांग की है किः

भारत भवन के सामने लगे गेट को तत्काल 24 घंटे खोलने का आदेश जारी किया जाए।

चक्रधरपुर रेल मंडल में व्याप्त भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

यहां पदस्थापित संदिग्ध अधिकारियों की आय से अधिक संपत्ति की जांच की जाए।

मनीष कुमार महतो ने पूरे गांव को दिलाई एक नई पहचान

संवाददाता

रांची : तमाड़ के चिरुडीह गांव के स्व अश्विनी कुमार महतो के पुत्र मनीष कुमार महतो जो की एक साधारण परिवार से आते हैं काफी समय पहले खुद की मेहनत से तथा दूसरे छोटे-छोटे कलाकारों की सहायता से अपने कला को निखारने का कार्य किया ,साथ ही समय रहते गांव के बच्चों को एवं महिलाओं को कला के प्रति प्रेरित किया। मनीष कुमार महतो ने चिरुड़ीह गांव को पूरे कला से उखैर कर राज्य में एक नया नाम एवं पहचान दिया है उनका उद्देश्य ग्राम तक ही सीमित नहीं वे आस-पास के सभी क्षेत्र में जाकर कला की जानकारी एवं जरूरतमंदों को हुनर भी सिखाते हैं जल्द ही उनके द्वारा उनके पिता स्वर्गीय अश्विनी कुमार महतो के नाम पर एक म्यूजियम की नींव रखी जा रही है जो की झारखंड के साथ पूरे देश भर के लिए एक चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के लिए बता दे की विदेश से भी मेहमान मनीष कुमार महतो के पास उनके गांव की खूबसूरती एवं उनके कला के हुनर को सम्मानित करने आते रहते हैं मनीष कुमार महतो ने कम समय में ही अपने साथ सैकड़ो कलाकारों के टीम खड़ी कर ली है उनका लक्ष्य यही तक सीमित नहीं आगे भी वह और युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करते रहेंगे।

शादी का झांसा देखकर यौन शोषण करने का आरोपी बरी

जमशेदपुर : परसुडीह की युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप से पटमदा का वसुदेव मंडल सोमवार को एडीजे पांच की अदालत से साक्ष्य के अभाव में बरी हो गया। अधिवक्ता प्रमोद सिंह बुंदेला ने बताया कि युवक और युवती में फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। इसके बाद युवती ने यौन शोषण का केस साकची महिला थाने में दर्ज कर दिया लेकिन अदालत में आरोप पत्र के आठ गवाहों के परीक्षण से दोष सिद्ध नहीं होने का लाभ आरोपी को मिला।

फेस पेंटिंग से लोगों को किया आकर्षित

संवाददाता

चाईबासा स्थित अटेंड रास्ता एंड क्राफ्ट सेंटर में मिस मनीषा कुमारी ने बच्चों के साथ मिल फेस पेंटिंग का लुफ्त उठाया, मिस मनीषा कुमारी अक्सर बच्चों के बीच नई नई क्रिएटिविटी की गुर सिखाती एवं अपना कीमती समय बच्चों को देती आती रही हैं ।इस पेंटिंग पर उसकी जाने वाली पेंट वह अपने हाथ से बनाती है जिसे जिसमें किसी भी प्रकार का केमिकल की मिलावट नहीं रहती।

झामुमो सिमडेगा ने वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला सिमडेगा द्वारा आज वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन सिमडेगा स्थित अल्बर्ट एक्का स्टेडियम परिसर में बने वीर सिद्धो-कान्हू स्थल पर किया गया। झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के सभी पदाधिकारियों, नेताओं एवं कार्यकताओं ने वीर शहीद सिद्धो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला, प्रखंड एवं नगर स्तर के बड़ी संख्या में कार्यकताओं की सहभागिता रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने वीर शहीद सिद्धो-कान्हू के जीवन और उनके बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

वहीं, झामुमो जिला सचिव सफिक खान ने भी अपने संबोधन में वीर शहीदों के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया और युवाओं से उनके संघर्ष से प्रेरणा लेने की अपील की।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा वीर शहीदों के

प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। मौके पर मुख्य रूपसे झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना, जिला सचिव मो सफीक खान, जिला उपाध्यक्ष मो सिराजुद्दीन, जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ा इक, केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली, केंद्रीय समिति सदस्य नोवास केरकेट्टा, केंद्रीय समिति सदस्य नुसरत खातून, केंद्रीय समिति सदस्य सुनील खेस, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष वसीम खान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष शकील अहमद, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला सचिव मो अहमद राजा, नगर अध्यक्ष मो अनस आलम, नगर उपाध्यक्ष बीरबल महतो, नगर संगठन सचिव कुंदन रजक, वरिष्ठ नेता जाफर खान, वरिष्ठ नेता मो शहीद, वरिष्ठ नेता किशोर डांग, सिमडेगा प्रखंड सचिव मिन्हाज राजन, कोलेबिरा प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश बागे, मो अनुयारुल हक, मो खलील खान, दिवाकर प्रसाद, हाफिज अमानुल्लाह, मारवाड़ी नायक, एवं काफी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।